RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः169, शुक्रवार , 27 जून 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

हरसिद्धि में 50 हजार की धोखाधड़ी का खुलासा, दो अभियुक्त गिरफ्तार 03

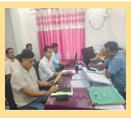

रक्सौल में "पीएम सूर्य घर" योजना को लेकर समीक्षा बैठक, उपभोक्ताओं को मिलेगा मुफ्त बिजली का लाभ 04

रश्मिका मंदाना ने नई फिल्म का ऐलान करके फेंस को दिया सरप्राइज 07

345 राजनीतिक दल कहां गायब हो गए?

चुनाव आयोग को नहीं मिला इनका कोई दफ्तर या ठिकाना, अब शुरू होगी ये कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने 345 राजनीतिक दलों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू की है। ये पार्टियां सिर्फ नाम की थीं, वह कागजों के अलावा कहीं दिखाई नहीं दे रही थीं। आयोग ने इन पार्टियों को अपनी लिस्ट से हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उनका कहना है कि इन पार्टियों के दफ्तर कहीं नहीं मिले। चुनाव आयोग के अनुसार, कई पार्टियां सिर्फ कागजों पर चल रही हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ विवेक जोशी ने मिलकर यह फैसला लिया है। पिछले छह सालों में इन 345 'रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल' ने एक भी चुनाव नहीं लड़ा है। इनके दफ्तर भी कहीं नहीं मिले। इसलिए, आयोग ने इन्हें हटाने का फैसला किया है। आयोग ने एक प्रेस रिलीज में यह जानकारी दी। ये 345 पार्टियां देश के अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं।

चुनाव आयोग को सिर्फ कागज पर मिलीं 345 पार्टियां- चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में 2,800 से ज्यादा रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल हैं। आयोग ने देखा कि इनमें से कई पार्टियां जरूरी नियमों को पूरा नहीं कर रही हैं। एक आरयूपीपी बने रहने के लिए कुछ शर्तें होती हैं, जिन्हें पूरा करना जरूरी है। लेकिन, कई पार्टियां इन शर्तों को पूरा नहीं कर पाईं।

सभी संदिग्ध पार्टियों को जवाब का मौका दिया जाएगा- चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करना चाहता है कि किसी भी पार्टी को गलत तरीके से न हटाया जाए। इसलिए, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को कहा गया है कि वे इन पार्टियों को नोटिस भेजें। नोटिस में उनसे पूछा जाएगा कि उन्हें क्यों न हटाया जाए। आयोग ने कहा है कि नोटिस मिलने के बाद इन पार्टियों को अपनी बात रखने का मौका मिलेगा। सीईओ इन पार्टियों की बात सुनेंगे। इसके बाद, चुनाव आयोग यह तय करेगा कि किस पार्टी को हटाना है और किसे नहीं। चुनाव आयोग का कहना है कि इन पार्टियों को संबंधित सीईओ द्वारा सुनवाई के माध्यम से एक अवसर दिया जाएगा।

रुद्रप्रयाग में नदी में ट्रैवलर गिरी, 9 लापता, 3 की मौत और 8 घायल

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में अलकनंदा नदी में ट्रैवलर गिर गई। हादसा घोलतीर में बद्रीनाथ हाईवे पर हुआ। ट्रैवलर में 20 लोग सवार थे, इनमें से 3 की मौत हो गई है, जबकि 8 घायल हैं। वहीं, 9 लोग अभी भी लापता हैं। ट्रैवलर में राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के यात्री बैठे थे।

जम्मू-कश्मीर- उधमपुर में भीषण मुठभेड़, एक आतंकी ढेर

- सेना का 'ऑपरेशन बिहाली' जारी, सुरक्षा बलों के निशाने पर चार आतंकी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू -कश्मीर के उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों ने जैश-ए-मुहम्मद के चार के चार आतंकवादियों को घेर लिया है। इन

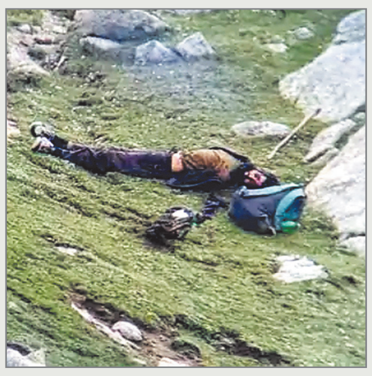

आतंकवादियों पर सुरक्षा एजेंसियों की पिछले बारह महीनों से नजर थी। एक आतंकी मुठभेड़ में मारा गया। व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने बताया कि भारतीय सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम 'ऑपरेशन बिहाली' चला रही है। खराब मौसम के बावजूद आतंकवादियों को मार गिराने की कोशिश जारी है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से जम्मू कश्मीर में सेना अलर्ट मोड़ पर है।

अहमदाबाद में 12 घंटे से बारिश का तांडव

- बाढ़ जैसे हालात, घर-ऑफिस में पानी भरा
- हिमाचल में 24 घंटे में 5 जगह बादल फटा
- 2 हजार टूरिस्ट फंसे, डैम से पानी छोड़ने का अलर्ट

नई दिल्ली/ अहमदाबाद/ जयपुर/ हिमाचल/ भोपाल/ लखनऊ (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में पिछले 12 घंटे से तेज बारिश हो रही है। इससे अहमदाबाद शहर में बाढ़ जैसे हालात हैं। वहीं हिमाचल प्रदेश में कुल्लु जिले में पिछले 24 घंटों में जीवा नाला (सैंज), शिलागढ़ (गढ़सा) घाटी, स्त्रो गैलरी (मनाली), होरनगढ़ (बंजार), कांगड़ा और धर्मशाला के खनियारा में बादल फटा। इसके चलते अचानक आई बाढ़ में 9 से ज्यादा लोग लापता हो गए थे। इसके बाद चले रेस्क्यू ऑपरेशन में 4 लोगों के शव बरामद हो चुके हैं। धर्मशाला के खनियारा से लापता एक मजदूर को आज सुबह सुरक्षित रेस्क्यू किया गया।

वहीं, कुल्लू में 2 हजार टूरिस्ट फंसे हैं। डैम से पानी छोड़ने का अलर्ट जारी किया गया है। इधर, राजस्थान में मानसून की बारिश जारी है। बांसवाड़ा में एक दिन में सबसे ज्यादा 8 इंच पारी बरसा।

अहमदाबाद-मुंबई हाईवे पर 15 किमी लंबा जाम : सूरत में गर्भवती महिला का रेस्क्यू

मानसून देश के ज्यादातर हिस्सों को कवर कर चुका है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, गुजरात में बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात हैं। सूरत के गीतानगर इलाका 3 से 4 फीट पानी में डूबा हुआ है। यहां तबीयत बिगड़ने के बाद एक गर्भवती महिला का फायर बिग्रेड टीम ने रेस्क्यू किया और अस्पताल पहुंचाया।

नवसारी में बाढ़ में डूबा प्राइमरी स्कूल- गुजरात के नवसारी में रात भर हुई लगातार बारिश के कारण चिखली तालुका के अमधरा गांव में बाढ़ आ गई। जिसके चलते प्राइमरी स्कूल में पानी भर गया। स्कूल का फर्नीचर और ब्लैकबोर्ड पानी में डूब गया।

एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने साइन करने से इनकार किया

शंघाई (एजेंसी)। चीन के किंगदाओ में हुई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने जॉइंट स्टेटमेंट पर साइन करने से इनकार कर दिया है। गुरुवार को हुई

इस बैठक भारत की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिस्सा लिया।

जॉइंट स्टेटमेंट में पहलगाम में हुए आतंकी हमले को शामिल नहीं किया गया था, जबकि बलूचिस्तान में हुई घटना इसमें शामिल थी। भारत ने इससे नाराजगी जाहिर करते हुए स्टेटमेंट पर साइन नहीं किए।

कर्ज में डूबे पूरे परिवार ने लगाया मौत को गले, सभी लोगों ने खा लिया जहर

बिजनौर (एजेंसी)। बिजनौर जिले के नूरपुर इलाके के टण्डेरा गांव में कर्ज से परेशान एक परिवार ने एक साथ जान देने की कोशिश की। गांव के पुखराज सिंह ने अपनी पत्नी रमेशिया और दो बेटियों के साथ घर में रखी सल्फास की गोलियां खा लीं। यह घटना सुबह की है, जब पुखराज का बेटा मजदूरी के लिए घर से निकल गया था। घर में कोई और सदस्य नहीं था, इसलिए कुछ देर बाद पड़ोसियों को शक हुआ और उन्होंने पुलिस को बताया।

पुलिस की 112 पीआरबी टीम तुरंत मौके पर पहुँची और सभी को नूरपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। वहाँ से हालत गंभीर होने पर उन्हें बिजनौर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। दुखद बात यह है कि इलाज के दौरान रमेशिया (पत्नी) और 19 साल की बेटी अनीता की मौत हो गई। पुखराज और उनकी दूसरी बेटी सीतो की हालत अभी भी गंभीर है और उन्हें मेरठ रेफर किया गया है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने अस्पताल पहुँचकर मामले की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि पुखराज ने गाँव के 25-30 लोगों से करीब छह लाख रुपये कर्ज लिया था। वह यह कर्ज चुका नहीं पा रहे थे, और इसी तनाव के चलते उन्होंने यह कदम उठाया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह भी देख रही है कि क्या कर्ज किसी समूह से लिया गया था और परिवार पर कोई दबाव था।

भोपाल में 90 डिग्री वाले ओवरब्रिज पर पहली बार बोले एमपी सीएम यादव

जिम्मेदार लोगों पर गिरेगी गाज

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल का 90 डिग्री मोड़ वाला ओवरब्रिज पूरे देश में चर्चा का विषय का बना हुआ है। इस ब्रिज को लेकर सीएम मोहन यादव ने पहली बार बयान दिया है। मोहन यादव ने

बृहस्पतिवार को कहा कि भोपाल में 90 डिग्री मोड़ वाले रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण में तकनीकी खामियों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सीएम ने यह भी कहा कि तकनीकी खामियों को दूर करने के बाद ही ओवर ब्रिज का उद्घाटन किया जाएगा।

- सीएम भजनलाल बोले

पंजा मत दिखाइए, इसने तो देश को गंजा कर दिया

जयपुर। जोधपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने छात्र-छात्राओं से कहा कि यहां से जाओगे तो मिर्ची बड़े को नहीं भूल पाओगे। इस पर हॉल में बैठे लोग हंस पड़े और तालियां बजाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ग्राम दईजर में पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत आयोजित समारोह में शामिल हुए।

यहां जयश्री राम के नारे लगाए तो कई लोगों ने हाथ दिखाया। इस पर सीएम ने चुटकी लेते हुए कहा पंजा मत दिखाइए, हनुमानजी की मुष्ठिका दिखाओ। इस पंजे ने तो देश को गंजा कर दिया।

जोधपुर-नागौर रोड पर स्थित आईआईटी में आयोजित 11वें दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं को विभिन्न विषयों में डिग्री प्रदान की। इस अवसर पर आईआईटी जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों, नई पहलों और भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला।

आज से शुरू होगी भव्य जगन्नाथ रथ यात्रा

भाई-बहन संग रथ पर होंगे सवार

- यह यात्रा 12 दिनों तक चलेगी, भगवान तीनों रथों पर सवार होकर गुंडिचा मंदिर जाएंगे

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में आज (27 जून) रथयात्रा है। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ तैयार हो चुके हैं। हर साल 45 फीट ऊंचे तीनों रथ 200 से ज्यादा लोग सिर्फ 58 दिनों में तैयार करते हैं। ये रथ 5 तरह की खास लकड़ियों से पूरी तरह हाथों से बनाए जाते हैं। लकड़ियां मापने के लिए किसी स्केल का इस्तेमाल नहीं होता, बल्कि एक छड़ी से ही माप कर 45 फीट ऊंचे और 200 टन से ज्यादा वजनी रथ तैयार किए जाते हैं।

हर साल नए रथ बनते हैं। इनकी शुरुआत अक्षय तृतीया से हो जाती है और गुंडिचा यात्रा

के दो दिन पहले रथ बन कर तैयार हो जाते हैं। यात्रा खत्म होने के बाद रथों को तोड़ दिया जाता है। आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि अत्यंत खास मानी जाती है क्योंकि इसी दिन भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा का शुभारंभ होता है। यह आयोजन न केवल पुरी, बल्कि पूरे देश और विदेशों से लाखों भक्तों को आकर्षित करता है। इस वर्ष जगन्नाथ रथ यात्रा 27 जून, शुक्रवार से शुरू होकर 8 जुलाई तक चलेगी। यह 12 दिनों का धार्मिक उत्सव है जो भक्तों की आस्था और संस्कृति का प्रतीक है।

रथ यात्रा का प्रारंभ- इस दिन भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ तीन अलग-अलग विशाल रथों पर सवार होकर 'मौसी के घर' कहलाने वाले गुंडिचा मंदिर की ओर रवानगी करते हैं। भगवान जगन्नाथ नंदीघोष नामक रथ पर सवार होते हैं, बलभद्र तालध्वज नामक रथ पर और सुभद्रा दर्पदलन नामक रथ पर विराजमान होती हैं।

तेजस्वी के कार्यक्रम में भीड़ बेकाबू, गेट के शीशे टूटे

कहा- मंत्री जी लेक्चरर हो गए, सीएम की मिमिक्री की

पटना (एजेंसी)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव गुरुवार को पटना के बापू सभागार में आयोजित 'छात्र-संवाद संसद' कार्यक्रम में पहुंचे थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद तेजस्वी के साथ सेल्फी लेने के लिए युवाओं की भीड़ जुट गई। भीड़ इतनी बेकाबू हो गई कि बापू सभागार के गेट का शीशा टूट गया। वीवीआईपी एंट्री गेट पूरी तरह से टूटकर चकनाचूर हो गया। मौके पर हंगामा मच गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने युवाओं से पूछा, सरकार बदलना है न। मंच से मैं संदेश देना चाहता हूं कि हमारा विजन क्या है।

हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की सखी, किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए : अमित शाह

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि हिंदी किसी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि यह सभी भारतीय भाषाओं की सखी है और देश में किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए। केंद्र सरकार के आधिकारिक भाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने सभी राज्य सरकारों से चिकित्सा और इंजीनियरिंग शिक्षा स्थानीय भाषा में प्रदान करने की पहल करने भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सभी राज्य सरकारों को प्रशासनिक कामकाज में भारतीय भाषाओं का उपयोग करने में मदद करेगा।

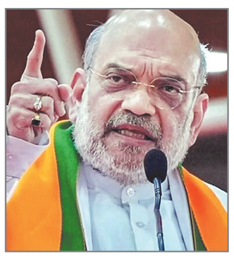

पद्मश्री सुरेंद्र दुबे का निधन

रायपुर (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर हास्य कवि पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे का गुरुवार को निधन हो गया। खबर है कि उन्हें हार्ट अटैक आया है। रायपुर के एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट में उनका इलाज चल रहा था। दुबे के परिवार के करीबी भाजपा नेता उज्ज्वल दीपक ने सोशल मीडिया पर उनके निधन की जानकारी दी है।

28 घंटे सफर करके इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे शुभांशु

आईएसएस पर पहुंचने वाले पहले भारतीय, 14 दिन तक रिसर्च करेंगे

फ्लोरिडा (एजेंसी)। भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला सहित चारों एस्ट्रोनॉट आज यानी, 26 जून को शाम 4:00 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंच गए। करीब 28 घंटे के सफर के बाद वे आईएसएस पहुंचे हैं। इससे पहले मिशन क्रू ने स्पेसक्राफ्ट से लाइव बातचीत की। इसमें शुभांशु ने कहा था- नमस्कार फ्रॉम स्पेस! मैं अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ यहां होने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। उन्होंने कहा- जब हमें वैक्यूम में लॉन्च किया गया, तब मैं बहुत अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। मैं बहुत सोया हूं। यहां एक बच्चे की तरह सीख रहा हूं... अंतरिक्ष में चलना और खाना कैसे है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सर गंगा राम अस्पताल में अत्याधुनिक कैंसर चिकित्सा केंद्र का किया उद्घाटन

नई दिल्ल (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को यहां सर गंगा राम अस्पताल (एसजीआरएच) में अत्याधुनिक कैंसर चिकित्सा केंद्र का उद्घाटन किया और रोगियों से बातचीत की। अस्पताल के अधिकारियों ने इस कार्यक्रम को गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि राष्ट्रपति की उपस्थिति ने सात दशकों से अधिक समय से बहुमूल्य, सस्ती व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की संस्था की विरासत को मान्यता दी।

संक्षिप्त समाचार

पार्टी-परिवार से निकाले जाने के बाद जनता दरबार लगाएंगे तेजप्रताप

पटना। पार्टी और परिवार से निकाले जाने के बाद अब तेजप्रताप यादव जनता दरबार लगाने जा रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने X पर लिखा- जनता का दरबार, जनसमस्याओं का सीधा समाधान,आपके बीच, आपकी आवाज बनने के लिए तत्पर। आइए साथ मिलकर रचें बिहार का नया अध्याय,सदैव आपके साथ ,सदैव बिहार के साथ।' 'सोमवार दिनांक 30 जून से 26 एम स्ट्रेड रोड स्थित मेरे आवास से जनता दरबार शाम 6 से 8 बजे तक लगेगा।' तेजप्रताप के जनता दरबार पर यूजर्स तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है- 'तेजप्रताप यादव अब नई पार्टी बनाने जा रहा हैं।' दूसरे ने लिखा- 'पहले अपने परिवार का मामला निपटा लीजिए फिर ये सब कीजिएगा।' तेजप्रताप यादव से उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने वीडियो कॉल पर बात की है। तेजप्रताप ने बुधवार को इसकी जानकारी अपने X पर दी थी। उन्होंने लिखा है कि, 'आज मेरे परिवार के सबसे प्यारे सदस्यों में से एक यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय अखिलेश यादव जी से वीडियो कॉल पर लंबी बात हुई।

बाढ़ में एनएच-31 पर स्कूटी-कार की टक्कर, इंजीनियरिंग की तैयारी कर रहे छात्र की मौत, दोस्त पटना रेफर

पटना। बाढ़ अनुमंडल के अथमलगोला में एनएच 31 पर राजपुरा गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। स्कूटी और कार की टक्कर में इंजीनियरिंग की तैयारी कर रहे 19 वर्षीय हिमांशु कुमार की मौत हो गई। उनके साथी उज्वल कुमार को गंभीर हालत में पटना रेफर किया गया है। दोनों युवक बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के घांघ सरैया गांव के रहने वाले हैं। हिमांशु पटना में इंजीनियरिंग की कोचिंग कर रहे थे और छुट्टी में घर आए थे। दुर्घटना उस समय हुई जब दोनों स्कूटी पर सवार होकर घर लौट रहे थे। तेज रफ्तार कार ने सामने से टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गई। स्थानीय लोगों ने घायल युवकों को बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने हिमांशु को मृत घोषित कर दिया। उज्वल को प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया गया है। उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। अथमलगोला थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मृतक के भाई प्रेम शरण चौधरी ने बताया कि हिमांशु के पिता की कुछ वर्षों पहले मृत्यु हो चुकी थी।

खुसरूपुर में निगरानी विभाग की कार्रवाई, आंगनबाड़ी पर्यवेक्षिका 3400 रुपये रिश्वत लेते पकड़ी गई

पटना। निगरानी विभाग ने पटना के खुसरूपुर स्थित सीडीपीओ कार्यालय में पर्यवेक्षिका राजश्री को 3400 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया है। निगरानी डीएसपी अभिजीत कौर के नेतृत्व में यह छापेमारी की गई। टीम राजश्री को गिरफ्तार कर पटना के लिए रवाना हो गई है। खुसरूपुर के बैकठपुर गोविंदपुर में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 31 की सेविका मिंतर कुमारी से पर्यवेक्षिका राजश्री लगातार रिश्वत की मांग कर रही थी। राजश्री मिंतर कुमारी पर अनावश्यक दबाव बना रही थी और काम के बदले पैसे ऐंठने की कोशिश कर रही थीं। राजश्री की लगातार बढ़ती मांग से तंग आकर मिंतर कुमारी ने इसकी शिकायत निगरानी विभाग से की। शिकायत मिलते ही निगरानी विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले का सत्यापन कराया। डीएसपी अभिजीत कौर के साथ आरक्षी पूजा कुमारी और सीमा कुमारी ने इस केस के सत्यापन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सत्यापन के बाद कार्रवाई की गई।

अथमलगोला में नए ब्लॉक भवन को लेकर विवाद, लोग बोले- नदी की तलहटी पर बनाया

पटना। बाढ़ अनुमंडल के अथमलगोला प्रखंड में नए ब्लॉक भवन को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर इसका विरोध किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 4 जून को बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन के किनारे करजान गांव में बने इस भवन का उद्घाटन किया। भवन निर्माण विभाग और एनटीपीसी से एनओसी प्राप्त किए बिना ही इसका निर्माण कर दिया गया। 10 बीघा के इस परिसर में ब्लॉक भवन के साथ पीएचसी, थाना, अति पिछड़ा आवासीय विद्यालय, जीविका भवन और खेल मैदान हैं। भवनों के बीच से गुजरती हाईटेंशन लाइन आवासीय विद्यालय के छात्रों के लिए जोखिम है। एनटीपीसी ने हाईटेंशन तार से 24 मीटर की न्यूनतम दूरी का निर्देश दिया था।

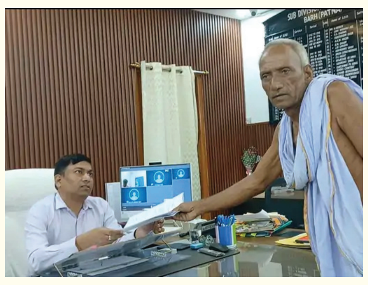

लोगों का कहना है कि भवन ठंठा नदी की तलहटी में मिट्टी भरकर किया है: भवन का निर्माण ठंठा नदी की तलहटी में मिट्टी भरकर किया गया है। बारिश के मौसम में बाढ़ से बचाव की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। नदी के जल स्रोत को रोकने का मामला नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में विचाराधीन है। स्थानीय निवासी रामानुज सिंह के अनुसार, अथमलगोला प्रखंड के 6 पंचायतों के लोगों को नए भवन तक पहुंचने में कठिनाई होगी। फोरलेन क्रॉस करने में कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। नियमों का पालन न करते हुए नदी की तलहटी में भवन बनाया गया है। बाढ़ के समय भवन परिसर में पानी भर सकता है। स्थानीय लोग इस मुद्दे पर कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी में हैं।

मुजफ्फरपुर में मुठभेड़, 2 अपराधियों को लगी गोली, कुख्यात को पकड़ने गई थी पुलिस

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में 6 दिनों में पुलिस-अपराधियों में दूसरी बार मुठभेड़ हुई है। बुधवार देर रात पारू थाना क्षेत्र में मुठभेड़ हुई। इस दौरान 2 अपराधी पुलिस की गोली से घायल हुए हैं। दोनों के पैर में गोली लगी है, जिन्हें इलाज के लिए SKMCH में भर्ती कराया गया है। दरअसल, 24 जून को मुजफ्फरपुर के सरैया अनुमंडल क्षेत्र में लूट की दो वारदात हुई थी। दो घंटे में CSP केंद्र से 4 लाख की लूट हुई थी। इस मामले में पुलिस ने 2 अपराधियों को गिरफ्तार किया था। लेकिन दोनों पुलिस की गिरफ्त से भाग निकले, बाद में पुलिस को उनके चौड़ में छिपे होने की खबर मिली। सूचना पर पुलिस पहुंची तो, पुलिस को देखते ही अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की। अपराधियों के पास से हथियार मिले हैं। अपराधियों की पहचान नीरज ठाकुर और सूरज सहनी के तौर पर हुई है। दोनों अपराधी कथैया थाना क्षेत्र के सघनपुरा के रहने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक दोनों कुख्यात अपराधी हैं। दोनों के खिलाफ लूट, हत्या, आर्म्स एक्ट समेत 30 से ज्यादा मामले दर्ज है। सूरज सहनी और नीरज ठाकुर पर मुजफ्फरपुर जिले के 50 हजार और मोतिहारी जिले में 25 हजार इनाम घोषित है। 15 दिन पहले सूरज की मां जेल से जमानत पर बाहर निकली थी। शराब मामले में पुलिस ने गिरफ्तारी किया था।

तेजस्वी के युवा संवाद कार्यक्रम पर सम्राट चौधरी का हमला

कहा- लालू यादव ने 15 साल बिहार बर्बाद किया, स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि में पहुंचे थे

एजेंसी, पटना

बिहटा में स्वामी सहजानंद सरस्वती के आश्रम में उनकी 75वीं पुण्यतिथि पर जनसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी ने हिस्सा लिया। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजद पार्टी के आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम पर तंज कसते हुए कहा कि लालू यादव ने पिछले 15 साल में बिहार के युवाओं को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया। बिहार की जनता और युवा जानती है कि लालू यादव और उसका परिवार ने बिहार के लिए क्या विकास का काम किया था।

लोगों ने बिहटा में बनने वाले एरपोर्ट का नाम स्वामी पर करने की मांग की: उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि आज देश के किसान आंदोलन के जननायक कहे जाने वाले स्वामी सहजानंद सरस्वती के 75 वें पुण्यतिथि के कार्यक्रम में पहुंचा, जहां पर स्वामी जी के जीवन के बारे में जानने का मौका मिला। वहीं लोगों ने मांग की है कि बिहटा में बन रहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का नाम स्वामी पर हो, जिसको लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से बात की जाएगी। ताकि आने वाले युवा पीढ़ी को स्वामी के बारे में जाने का मौका मिले। साथ ही उनके जीवन काल पर प्रकाश डालने का काम विदेशी इतिहासकार वाल्टर हाउजर ने किया और आज उनके परिवार के लोगों से भी मुलाकात हुई।

अखिल भारतीय किसान महासभा के सदस्य भी हुए शामिल: दोनों नेताओं ने स्वामी की समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित किए। सीताराम ट्रस्ट के सचिव डॉ. सत्यजीत सिंह ने स्वामी के जीवन से जुड़ी जानकारियां साझा कीं। आश्रम में स्वामी जी की जीवनी पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर स्वामी जी की आत्मकथा 'मेरा जीवन संघर्ष' का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय किसान महासभा के सदस्य भी शामिल हुए। स्थानीय लोगों ने बिहटा में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम स्वामी सहजानंद के नाम पर रखने की मांग की। विशेष रूप से, स्वामी जी के जीवन पर शोध करने वाले अमेरिकी इतिहासकार वाल्टर हाउजर के परिवार के सदस्य भी अमेरिका से पहुंचे। उन्होंने हाउजर और उनकी पत्नी की अस्थियां गंगा में प्रवाहित कीं। यह हाउजर दंपति की अंतिम इच्छा थी कि उनका अंतिम संस्कार हिंदू रीति से हो और अस्थियां पटना की गंगा में विसर्जित की जाएं।

धनबाद की छात्रा से पटना में यौन शोषण

एजेंसी, पटना

फ्लैट पर लाकर कहा- गलत जवाब पर देना होगा किस, विरोध पर बोला- इंजॉय करोगी तब न मजा आएगा

पटना में धनबाद की छात्रा (21) के साथ यौन शोषण का मामला सामने आया है। छात्रा बुद्धा कॉलोनी के कोचिंग में पढ़ाई करती थी। 6 महीने पहले कोचिंग में उसकी मुलाकात सौरभ सिन्हा (25) से हुई। उसने पहले छात्रा से दोस्ती की, पढ़ाई में मदद किया और फिर विश्वास जीतने के बाद 10 दिन पहले यौन शोषण का प्रयास किया। दरअसल, कुर्जी में सौरभ किराए पर रहता था। एक दिन उसने छात्रा को अपने झांसे में लिया और कहा कि वह मैथ्स में काफी कमजोर है, जिसपर उसे ध्यान देना चाहिए। उसे पढ़ाने के बहाने सौरभ छात्रा को अपने फ्लैट पर चलने के लिए बोला। पहले छात्रा ने मना कर दिया मगर सौरभ ने उसे अपने विश्वास में लिया। वहां जाने पर सौरभ ने छात्रा को 1 घंटे तक अच्छे से पढ़ाया फिर अचानक उसने दरवाजा लॉक कर दिया।

हर गलती पर थी एक किस की डिमांड: सौरभ ने छात्रा से कहा कि मैंने तुम्हें इतने अच्छे से पढ़ाया है। मैंने 10 सवाल तुम्हें हल करने के लिए दिए हैं, अगर उसमें एक भी गलती हुई तो तुम्हें सजा मिलेगी। 'तुम्हें मुझे किस करना होगा।' पहले छात्रा शॉक हो गई। फिर सौरभ उसके करीब आने लगा। उसे छूने लगा, उसके कपड़े उतारने की कोशिश करने लगा। जब छात्रा ने विरोध किया तो सौरभ ने कहा कि तुम्हें मैं इतना पढ़ाया हूं, तो तुम उसकी फीस नहीं दोगी ? छात्रा ने बताया कि उसके पैर में चोट लगी थी, इसलिए वह भाग भी नहीं पा रही थी। उसने चिल्लाने की भी कोशिश की लेकिन किसी ने सुना नहीं। जब छात्रा की सदमे जैसी स्थिति हो गई तब सौरभ ने कहा कि 'ऐसे आगे बढ़ने में क्या मजा, तुम इंजॉय करोगी तब न मजा आएगा। जाओ मैं तुम्हारी स्थिति देखकर मैं तुम्हें छोड़ देता हूं।

दो दिनों में अरबाज की हत्या करने वाला था राजा

सुपारी लेकर प्लानिंग में जुटा था, बुधवार दोपहर एसटीएफ से हुई मुठभेड़ में धराया

एजेंसी, पटना

बुधवार की दोपहर STF और मोहम्मद राजा, जितेंद्र के बीच JP गंगा पथ (मरीन ड्राइव) पर मुठभेड़ हुई। गिरफ्तारी के भागने के दौरान राजा ने गाड़ी से छलांग लगाकर STF पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। लगभग 3 से 4 राउंड उसने फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में STF ने भी फायरिंग की। इसी दौरान एक गोली राजा के पैर में लग गई। इसके बाद मोहम्मद राजा और उसका सहयोगी जितेंद्र दोबारा से पकड़े गए। घटनास्थल पर STF की पूछताछ में मोहम्मद राजा ने बताया कि उसने अब तक दो हत्या की है। इसमें शहनवाज और गौरीचक के चोचो की हत्या शामिल है। एक से दो दिनों में अरबाज उर्फ छोटू की हत्या करने वाला था, जिसकी इसने सुपारी ले ली थी। प्लानिंग कर रहा था। फिलहाल PMCH में मोहम्मद राजा का इलाज चल रहा है। खतरे से बाहर की स्थिति है। वहीं, घटना में घायल STF के जवान भी ठीक हैं।

घटनास्थल से बरामद हुए हथियार: घटनास्थल से एक लोडेड पिस्टल, 3 खोखे बरामद किए गए हैं। इसे लेकर पटना के गांधी मैदान थाना में अलग से मोहम्मद राजा और उसके सहयोगी जितेंद्र के खिलाफ केस दर्ज किया है।

प्रेस लिखी स्कूटी भी मिली: पुलिस से बचने के लिए मोहम्मद राजा स्कूटी पर प्रेस का स्टीकर लगाकर घूमता था। ताकि पुलिस उस पर शक नहीं करे। पुलिस ने उस स्कूटी को भी बरामद कर लिया है। इसकी भी जांच हो रही है।

तेजस्वी के कार्यक्रम में भीड़ बेकाबू, शीशे का गेट टूटा

एजेंसी, पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव गुरुवार को पटना के बापू सभागार में आयोजित "छात्र-संवाद संसद" कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान एक युवक मंच पर पहुंचकर तेजस्वी के पैर छूने का प्रयास करने लगा। सुरक्षाकर्मियों ने रोका, लेकिन फिर भी तेजस्वी ने उससे मुलाकात की और तस्वीर खिंचवाई। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष से पहले राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल पहुंचे थे। वहीं, तेजस्वी के साथ सेल्फी लेने के चक्कर में भीड़ इतनी बेकाबू हो गई कि बापू सभागार के गेट का शीशा टूट गया। VVIP एंट्री गेट पूरी तरह से टूटकर चकनाचूर हो गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने युवाओं से पूछा सरकार बदलना है न। मंच से हम संदेश देना चाहते हैं कि हमारा विजन क्या है। हम सरकार नहीं बिहार बदलने का काम कर रहे हैं। बिहार की राजनीति को अब बिहार के युवा बदलने का काम करेंगे। आपलोग एक जुट होइए...सरकार बदलिए।

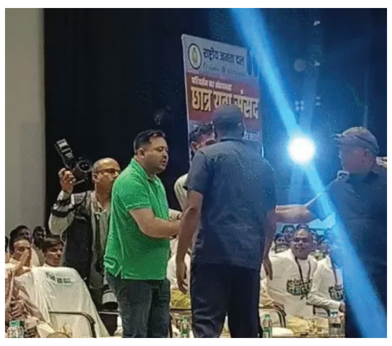

तेजस्वी यादव का अशोक चौधरी पर तंज, कहा- मंत्री जी लेकचरर हो गए, सीएम की मिमिक्री की

अशोक चौधरी पर तंज: तेजस्वी ने अशोक चौधरी पर तंज कसते हुए कहा कि मंत्री जी अब लेक्चरर हो गए हैं, दामाद को आयोग में सेट कर दिया है। नीतीश जी को जब पेंशन से टेंशन हो गई तब उनको बढ़ा दिया। सबसे पहले इसकी आवाज हमने उठाइए थी। आपलोग इनको 20 साल दिए, हमको बस 20 महीना दे दीजिए।

तेजस्वी ने की कई घोषणा: आगे तेजस्वी ने कहा, 'सरकार बनने पर युवा आयोग का गठन होगा। डोमिसाइल लागू कराया जाएगा। सरकारी फॉर्म फीस माफ होगी। परीक्षा केंद्र से घर और घर से केंद्र तक का पैसा नहीं लगेगा। Paperleak नहीं होगा। युवाओं को नशे से मुक्ति दिलाने का काम लेंगे। 275 दिन मिनिमम पढ़ना पड़ेगा। 80 परसेंट अटेंडेंस मस्ट होगा। सरकार आपलोगों को परीक्षा की तैयारी कराएगी। कहा कि 4 हजार से अधिक गांव में विवाह भवन बनाएंगे, ऐसा इसलिए कैबिनेट में पास हुआ है। ताकि अधिकारी और नेता पैसा कमा सके। राज्य में यूनिवर्सिटी कम है और भवन बनवाने का काम कर रहे हैं।

सीएम की नकल भी की: 'नीतीश जी ने कैबिनेट में घोषणा की है, पंचायत प्रतिनिधि को आर्म्स देंगे। हम कलम बांट रहे, वो बंदूक बांटने का काम कर रहे हैं। तेजस्वी ने सीएम नीतीश की नकल करते हुए कहा कि आपलोग तो सब जानबे करते हैं न। धरती अब बचेगा जी, इन सब से कुछ होगा जी। आगे कहा कि हमारी सरकार आने के बाद वर्ल्ड क्लास यूनिवर्सिटी का निर्माण करेंगे, जहां बिहार के बाहर के लोग बिहार पढ़ने आएं। 2 हजार एकड़ में educational city बनवाया जाएगा।

बिहार का युवा नौकरी चाहता है...सरकार का नौटंकी नहीं: तेजस्वी ने कहा 'आपलोग हमको और लालू जी को देते रहिए गाली, जितना गाली देंगे उतना हमें समर्थन मिलेगा। हम सरकार से कहना चाहते हैं। बिहार का युवा नौकरी चाहता है...सरकार का नौटंकी नहीं। हम चाहते हैं, बिहार में रोजगार मिले, युवाओं को नौकरी मिले, फैक्ट्री लगेज फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगे। नीतीश कुमार जी अचेत अवस्था में है। नीतीश जी को क्या किसी भी पीड़ित परिवार से मिलते हुए देखा है। सब को मिलकर एक साथ रहना है'। 'पटना यूनिवर्सिटी को सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा भी अब तक प्रधानमंत्री जी ने नहीं दिया है। बस बिहार का दौरा कर रहे हैं। तेजस्वी आया 17 महीने की सरकार में तो शिक्षकों को नौकरी मिली है। एक मौका आपलोग तेजस्वी को देने का काम कीजिए। हम जब सरकार में आएंगे तो पिछली सरकार को गाली नहीं देंगे, हम इनके जैसे थोड़ी न बोलेंगे कि कुछ था जी 2005 के पहले? प्रदेश अध्यक्ष मांगनी लाल मंडल ने कहा कि तेजस्वी के नाम से नौजवान में बहुत उत्साह है। हजारों की संख्या में यहां लोग आए हैं। समय कम है, तेजस्वी को सीएम बनाना है। आज के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कर्पूरी ठाकुर के खिलाफ लाया गया था। आज कर्पूरी जी का नाम ले कर ही वोट लिया जा रहा है।

पटना पहुंची चुनाव आयोग की 9 सदस्यीय टीम, जिलों का दौरा कर आयोग को देगी रिपोर्ट

एजेंसी, पटना

चुनाव आयोग की 9 सदस्यीय टीम आज पटना पहुंची है। पटना एयरपोर्ट पर चुनाव आयोग के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। टीम में चुनाव आयोग के अधिकारी मनीष गर्ग, भानु प्रकाश येतुरु, संजय कुमार, एनएन बुटोलिया, अरविंद आनंद, बिदयारानी कोंथूयजाम, मनोज सी.,अभिनव अग्रवाल और पवन दीवान शामिल हैं। चुनाव आयोग की टीम आज ही पटना में बिहार के शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ एक बड़ी बैठक करने जा रही है। आयोग की टीम राज्य में चुनावी माहौल, सुरक्षा व्यवस्था, प्रशासनिक तैयारियों, मतदान केंद्रों की स्थिति और वोटर लिस्ट की समीक्षा कर वर्तमान स्थिति को लेकर फीडबैक लेगी।

अलग-अलग जिलों का दौरा करेगी टीम: पटना में समीक्षा बैठक के बाद आयोग की टीम राज्य के विभिन्न जिलों का दौरा करेगी। इन जिलों में जिलाधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों और निर्वाचन से जुड़े अन्य अधिकारियों के साथ क्षेत्रीय बैठके की जाएंगी। इन बैठकों में यह समीक्षा की जाएगी कि जिला प्रशासन ने चुनाव को लेकर क्या-क्या तैयारियां की हैं, मतदान केंद्रों की भौगोलिक स्थिति कैसी है, संवेदनशील और अति संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की गई है या नहीं और मतदाता सूची को अपडेट करने का कार्य किस स्तर पर है। ताकि इस विधानसभा वोट प्रतिशत अधिक से अधिक बढ़ सके।

दिल्ली लौटकर आयोग को देगी रिपोर्ट: चुनाव आयोग की टीम तीन दिनों तक बिहार में रहेगी। दिल्ली लौटने के बाद टीम, चुनाव आयोग को रिपोर्ट पेश करेगी। इस रिपोर्ट के आधार पर बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी की घोषणा हो सकती है। मुख्य चुनाव आयुक्त का बिहार दौरा इस रिपोर्ट के आधार पर संभावित हो सकता है।

पटना में गश्ती के दौरान दो कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के दीघा थाना क्षेत्र की पुलिस ने गश्ती के दौरान दो अपराधियों को अहिरान गली से गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से एक देशी पिस्टल, 5 जिंदा कारतूस, एक एंड्रॉयड फोन बरामद किए गए हैं। पकड़े गए अपराधियों का नाम सूरज चौधरी (18) और साहिल कुमार (21) है।

लूटकांड में शामिल था सूरज: लॉ एंड ऑर्डर DSP- 2 दिनेश पांडेय ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि अहिरान गली के पास दो युवक पिस्टल के साथ किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में खड़े हैं। इसी सूचना के आधार पर पुलिस वहां पहुंचीं तो दोनों अपराधी भागने लगें। थानेदार संतोष सिंह ने घेराबंदी कर के दोनों को पकड़ लिया। सूरज पहले भी लूट के मामले में जेल जा चुका है।

अपराधिक इतिहास खंगाल रही है पुलिस: पुलिस फिलहाल दोनों पकड़े गए अपराधियों से पूछताछ कर रही है। अपराधिक इतिहास के बारे में भी पता लगाया जा रहा है। सूरज हथियार कहां से लाया था, किस घटना को अंजाम देने जा रहा था। इस सिलसिले में भी पूछताछ की गई है। इसकी निशानदेही पर हथियार बेचने वाले तस्कर के खिलाफ भी कार्रवाई पुलिस की ओर से शुरू कर दी गई है। फिलहाल दोनों को न्यायिक हिरासत में पूछताछ के बाद भेज दिया जाएगा।

3,000 युवाओं को रोजगार देगी यूथ कांग्रेस, दो दिन में जारी होगा रजिस्ट्रेशन लिंक

एजेंसी, पटना

बिहार में रोजगार की बहार आने वाली है। बिहार यूथ कांग्रेस की ओर से 'मेगा जॉब फेयर' का आयोजन होने वाला है। यह जॉब फेयर 19 जुलाई को ज्ञान भवन में लगेगा। 3,000 युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य है। इसके लिए हर जिले में एनरोलमेंट कैंप लगाया जाएगा। इस जॉब फेयर में टाटा से लेकर विप्रो कंपनियां शामिल होगी। अभी तक 78 अलग-अलग कंपनी का कंफर्मेशन आ गया है, लेकिन यूथ कांग्रेस की कोशिश है कि करीब 125 कंपनी इस जॉब फेयर में युवाओं को नौकरी देने के लिए पहुंचे।

दो दिन में जारी होगा रजिस्ट्रेशन का लिंक: इस जॉब फेयर में रजिस्ट्रेशन के लिए दो दिन के अंदर लिंक जारी कर दिया जाएगा। गूगल फॉर्म में सारी जानकारी भरकर युवा इस जॉब फेयर के लिए अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए कंट्रोल रूम भी बनाया जाएगा, जो हर एक इंडिविजुअल के क्वालिफिकेशन और स्किल सेट को नोट करेगा, ताकि आगे स्क्रीनिंग करने में दिक्कत ना हो। इस कंट्रोल रूम में 12 लोग की टीम होगी जो सुबह 9 बजे से रात के 8 बजे तक काम करेगी।

3000 युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य: मेगा जॉब फेयर में कांग्रेस का लक्ष्य कम से कम 3,000 बिहार के युवाओं को नौकरी देना है। इसमें 10वीं से लेकर ग्रेजुएशन तक के युवाओं का प्लेसमेंट होगा। कांग्रेस का मानना है कि अगर किसी पॉलिटिकल पार्टी का यूथ विंग अपने एफर्ट से करीब 3000 लोगों को नौकरी दे सकता है, तो इसमें सरकार क्यों पीछे है। अगर सरकार की नीयत सही हो, तो वह 1 लाख लोगों को रोजगार दे ही सकती है।

19 जुलाई को ज्ञान भवन में पहुंचेगी टाटा-विप्रो जैसी 78 अलग-अलग कंपनी

दिल्ली में बिहार के युवा थे सबसे ज्यादा: इससे पहले इस मेगा जॉब फेयर का आयोजन दिल्ली, राजस्थान और हिमाचल में हो चुका है। राहुल गांधी के जन्मदिन पर दिल्ली में 3,680 युवाओं को रोजगार दिया गया था। इसमें सबसे ज्यादा बिहार के युवा थे, जिसने करीब 700 बच्चों का प्लेसमेंट हुआ था। इस जॉब फेयर में 7000 से ज्यादा युवाओं ने पार्टिसिपेट किया था।

आपातकाल नहीं बिहार में आफतकाल चल रहा: कांग्रेस प्रवक्ता ज्ञान रंजन ने कहा कि यह जॉब फेयर केंद्र सरकार और बिहार सरकार को दिखाने के लिए है कि अगर इच्छा शक्ति है तो युवाओं को नौकरी दी जा सकती है। पलायन के रास्तों को बंद करने के लिए आखिर यहां पर रोजगार सृजन क्यों नहीं किया जा सकता है। जिस तरह से NDA में दामाद आयोग का गठन हुआ है, उससे बिहार के युवाओं को ठेंगा दिखाया जा रहा है। बिहार में अभी आपातकाल की जगह आफतकाल चल रहा है।

हरसिद्धि में 50 हजार की धोखाधड़ी का खुलासा, दो अभियुक्त गिरफ्तार

झांसा देकर बदल दिया गमछा, पूरी रकम और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद

बीएनएम। हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना क्षेत्र में एसबीआई बैंक के बाहर हुई 50 हजार रुपये की धोखाधड़ी मामले का पुलिस ने सफलतापूर्वक उद्भेदन कर लिया है। इस मामले में दो शातिर ठगों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से पूरी धोखाधड़ी की राशि और एक मोटरसाइकिल (नं. BR-05-AP-7224) बरामद की गई है। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि 20 मई को मोहन भगत 50 हजार रुपये लेकर बैंक में जमा करने जा रहे थे। उसी दौरान दो युवक अपाची बाइक से पहुंचे और उन्हें बातचीत में उलझाकर मंदिर के पास ले गए। वहां उन्होंने मोहन भगत का गमछा, जिसमें रुपये बंधे थे, चालाकी से बदल दिया और वैसा ही दूसरा गमछा पकड़ाकर फरार हो गए। गमछा खोलने पर मोहन भगत के होश उड़ गए, क्योंकि उसमें रुपये नहीं थे। उन्होंने बाइक सवारों का पीछा करने की कोशिश की, लेकिन वे फरार हो गए। घटना के बाद वरीय अधिकारियों के निर्देश पर एक विशेष टीम बनाई गई। तकनीकी सर्वेक्षण, सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर दोनों ठगों की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिगु साहनी (56 वर्ष, पिता-भूलन सहनी) और दिनेश कुमार (37 वर्ष, पिता-सकलदीप सहनी) के रूप में हुई है। दोनों वार्ड संख्या 19, बबन धवही के निवासी हैं। छापेमारी में थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा, अपर थानाध्यक्ष मनीष राज, अविनाश कुमार, संतोषी कुमारी, विभा भारती, राजीव रंजन और सिपाही फूल कुमार मोहलदार सहित पुलिस टीम शामिल रही।

नेपाल पुलिस ने ट्रक से भारत लायी जा रही 319 किलो चरस किया बरामद

» ट्रक चालक गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

नेपाल के पर्सा जिला पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 319 किलो चरस के साथ एक ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई भारत-नेपाल सीमा पर स्थित बीरगंज के एकीकृत जांच चौकी (आईसीपी) के पास की गई। पुलिस ने ड्रग्स लदी ट्रक भी जब्त कर लिया है। पर्सा जिला के पुलिस अधीक्षक गौतम मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि जब्त ट्रक में चरस को नेपाल के धाडिंग जिले से लोड किया गया था और उसे भारत में तस्करी के इरादे से बीरगंज के ड्राइपोर्ट (आईसीपी) के रास्ते ले जाया जा रहा था। शक के आधार पर ट्रक को रोका गया और तलाशी के दौरान भारी मात्रा में चरस बरामद की गई। गिरफ्तार चालक की पहचान मकवानपुर जिले के थाहा नगरपालिका निवासी बुद्धि बहादुर स्यांगतान के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से 1 लाख 92 हजार नेपाली रुपये भी बरामद किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में बुद्धि बहादुर ने स्वीकार किया कि वह चरस को भारत पहुंचाने की योजना में शामिल था। पुलिस अधीक्षक मिश्रा ने बताया कि जब्त की गई चरस की कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक आंकी जा रही है। मामले में ड्रग्स तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आगे की जांच जारी है। यह कार्रवाई नेपाल में सक्रिय मादक पदार्थ तस्करों के नेटवर्क पर एक बड़ी चोट मानी जा रही है। पर्सा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि दोनो देश परस्पर सहयोग से मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए कारवाई जारी रखेगी।

अंतरराष्ट्रीय नशा एवं अवैध तस्करी निरोध दिवस पर न्यायाधीश एवं न्यायिक कर्मियों ने ली शपथ

बीएनएम। मोतिहारी

व्यवहार न्यायालय परिसर में गुरूवार को अंतरराष्ट्रीय नशा एवं अवैध तस्करी निरोध दिवस पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष देवराज त्रिपाठी की अध्यक्षता में प्राधिकार के सचिव सह सब जज-6 श्वेता सिंह ने सभी को शपथ दिलाई। सभी ने शपथ लेते हुए कसम खाती की "हम शपथ लेते हैं कि तंबाकू, शराब या किसी भी प्रकार के मादक पदार्थ का न कभी सेवन करेंगे और नहीं आसपास के किसी व्यक्ति को सेवन करने देंगें। तंबाकू शराब या किसी भी मादक पदार्थ का किसी भी रूप में परिवहन या व्यापार में न तो स्वयं और नहीं किसी अन्य व्यक्ति को किसी भी प्रकार से मदद करेंगे।" कार्यक्रम में कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश संदीप सिंह,न्यायाधीश मुकुंद कुमार, न्यायाधीश सुरेंद्र प्रसाद, अरूण कुमार सिन्हा, ब्रजेश कुमार, मिथिलेश झा, राघवेंद्र प्रताप सिंह, सूर्यकांत तिवारी, ऋचा भार्गव, रेशमा वर्मा,मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पुनीत कुमार तिवारी, प्रसेनजीत सिंह, रंजीत कुमार चौधरी, मुकेश कुमार,रेशमा वर्मा, गरिमा रानी, गौरव सिंह, उमेंद्र वर्मा,न्यायालय कर्मी हिमांशु कुमार, राजेश कुमार, अरुणेश कुमार,विकाश कुमार आदि उपस्थित थे।

रोगी हितधारक मंच की हुई जिला स्तरीय बैठक

लोगों क़ो जागरूक करने में मंच के सदस्य निभा रहे हैं महत्वपूर्ण भूमिका : डीपीएम

» हाथी पाँव के गंभीर मरीजों के लिए विकलांगता प्रमाण पत्र बनवाने पर दिया गया जोर

बीएनएम। मोतिहारी

राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत रोगी हितधारक मंच (पीएसपी) की जिला स्तरीय बैठक जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इसमें फाइलेरिया मुक्त अभियान के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुए जिले के चार प्रखंड - कल्याणपुर, चिरैया, मधुबन, चकिया में रोगी हितधारक मंच में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, एएनएम, आशा फैसिलीटेटर, फाइलेरिया रोगी, जनप्रतिनिधि, राशन डीलर, जीविका के द्वारा किए जा रहे जागरूकता के कार्यों की जानकारी दी गई। बैठक में सीफार के जिला प्रतिनिधि विनोद कुमार श्रीवास्तव द्वारा पीपीटी के माध्यम से पीएसपी के कार्यों की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि जिले में पीएसपी के द्वारा फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में लोगों क़ो दवा सेवन का महत्व बताकर जागरूक करते हुए सर्वजन दवा सेवन कराया गया। जन समुदाय के लोगों क़ो आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर जाँच, इलाज व बीमारियों से बचाव तथा सरकार से मिलने वाले सुविधाओं की जानकारी दी गई। अब पीएसपी सदस्य जन समुदाय के लोगों क़ो आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर जाँच, इलाज हेतु जागरूक करेंगे। जो भी ग्रुप के सदस्य बेहतर कार्य करेंगे उन्हें जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियों के समक्ष सीएचओ, रोगी हितधारक सदस्यों के साथ परिचर्चा की गई। इस दौरान पिरामल के डिस्टिक लीड मुकेश कुमार, भीडीसीओ धर्मेंद्र कुमार, रविंद्र कुमार ने वेक्टर रोगों की जानकारी, उससे बचाव के उपाए पर प्रकाश डाला। इस दौरान रोगी हितधारक मंच के सीएचओ रानी चौरसिया, भिखाराम, अमर चौधरी, एएनएम ने अपने अनुभवों को साझा किया। उन सभी ने बताया कि फाइलेरिया राउंड के दौरान कैसे दवा सेवन से इंकार करने वाले लोगों क़ो समझाकर दवा खिलाया गया। डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने बताया कि रोगी हितधारक मंच न केवल स्वास्थ्य प्रणाली का एक सशक्त स्तंभ बनकर उभरा है, बल्कि यह मंच समुदाय और स्वास्थ्य विभाग के बीच एक मजबूत पुल की तरह कार्य कर रहा है। उन्होंने इसे फाइलेरिया मुक्त समाज की दिशा में एक सशक्त कदम बताया। उन्होंने कहा कि आगे बरसात के बाद भी वेक्टर रोगों के बढ़ने की संभावना रहती है। इसलिए मलेरिया, डेंगू व अन्य वेक्टर रोगों के बारे में लोगों क़ो जागरूक किया जाना जरूरी है। भीडीसीओ रविंद्र कुमार ने बताया कि डेंगू एक मच्छर जनित रोग है, जो एडीज मच्छर के काटने से होता है। इससे बचाव के लिए साफ-सफाई रखना, पानी को जमा न होने देना और पूर्ण आस्तीन के कपड़े पहनना आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में सभी स्वास्थ्यकर्मियों को अपने-अपने क्षेत्र में जाकर डेंगू के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा इससे बचाव के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प दिलाया गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि डेंगू से बचाव जागरूकता से ही संभव है और इसके लिए स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका अत्यंत अहम है। इस मौके पर डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, जिला अनुश्रवण पदाधिकारी अमानुल्लाह अमन, डीसीएम नंदन झा, वेक्टर जनित रोग सलाहकार अभिषेक कुमार, भीडीसीओ गौतम कुमार धर्मेंद्र कुमार, रविंद्र कुमार, पिरामल डीएल मुकेश कुमार, राजेश गिरी, पीएल धीरेन्द्र कुमार, सिफार से विनोद श्रीवास्तव, बिट्टू कुमार, सी3 के आदित्य राज व अन्य लोग मौजूद थे।

बैंक से लौट रही महिला की सड़क हादसे में मौत, स्कॉर्पियो फरार

बीएनएम। पताही

थाना क्षेत्र के रतनसायर गांव निवासी महेन्द्र महतो की पत्नी भागा देवी (64 वर्ष) की एक दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना उस वक्त हुई जब वह पताही स्थित बैंक से वृद्धा पेंशन के पैसा निकालकर घर लौट रही थीं। बताया गया कि वह ऑटो से घर जा रही थीं, तभी तेज रफ्तार से आ रही एक स्कॉर्पियो ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो सड़क किनारे पलट गया, जिससे भागा देवी के सिर में गंभीर चोट लग गई। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना पर पताही थाने के एसआई अजय कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पताही पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका की पोती ने बताया कि उनकी दादी पिछले तीन महीने से मात्र 1200 रुपये की वृद्धा पेंशन के लिए बैंक के चक्कर लगा रही थीं और आज पेंशन निकालने के बाद लौटते वक्त यह हादसा हो गया। घटना से परिवार और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस फरार स्कॉर्पियो की तलाश में जुट गई है।

साइबर ठगी के अंतराज्यीय बॉस गिरोह के मास्टरमाइंड यश पर 20 हजार का इनाम घोषित

» गिरोह का मिडिलमैन सुरेन्द्र चढा पुलिस के हत्थे

बीएनएम। मोतिहारी

जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के चांदमारी मुहल्ला स्थित एक निजी स्कूल में संचालित हो रहे साइबर ठगी के अंतरराज्यीय गिरोह के विरूद्ध मोतिहारी पुलिस की कारवाई जारी है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बॉस नाम से संचालित साईबर फ्रॉड के इस गिरोह के मास्टरमाइंड अंबिका नगर निवासी पंकज पांडेय के पुत्र यश स्वर्ण्य के विरूद्ध 20 हजार रूपये इनाम घोषित किया है।इसके साथ ही इस गिरोह के मिडिल मैन सुरेंद्र प्रसाद को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार सुरेन्द्र प्रसाद पश्चिम चंपारण जिले का रहनेवाला है,जो फिलहाल अंबिका नगर में किराना की दुकान संचालित कर रहा था। जिसका पंकज इंटरप्राइजेज के नाम से चांदमारी एसबीआई में खोले गये करंट अकाउंट में यश और उसके पिता पंकज पांडेय का मोबाइल नंबर ऐड किया गया पाया गया है। सुरेन्द्र के इस करेंट अकाउंट को यश ही ऑपरेट करता था। उल्लेखनीय है,कि इस गिरोह के सभी बाइक और लग्जरी गाड़ी की तरह इस अकांउट में जिस मोबाइल नंबर को ऐड किया गया है उसके अंत में 8055 अर्थात बॉस है। सुरेंद्र प्रसाद के उक्त खाते में एक सप्ताह के अंदर में देश के अलग अलग राज्यो से करीब 19 लख रुपए का ट्रांजेक्शन किया गया है।बीते दिनो पुलिस ने सुरेन्द्र के अंबिकानगर स्थित घर और दूकान पर छापेमारी के दौरान एक 8055 अर्थात बॉस लिखी एक स्कूटी व एक कार के साथ कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किये है। पुलिस जांच में यह पता चला है,कि साइबर ठगी के इस गिरोह के खुलासा होने और छापेमारी के बाद सुरेन्द्र ने पंकज पांडेय के कहने पर तत्काल अपने अकांउट से बड़ी राशि का निकासी किया,फिलहाल 1.80 लाख अब भी बैंक द्वारा होल्ड किया गया है।पुलिस जांच यह भी सामने आया है,कि गिरोह के लोगो के इशारे पर सुरेंद्र प्रसाद ने अकाउंट में डाले गये मोबाइल नंबर को चेंज करवाने बैंक भी पहुंचा था। साइबर पुलिस उपाधीक्षक अभिनव पराशर ने बताया कि सुरेन्द्र प्रसाद की गिरफ्तारी से काफी अहम सुराग मिले है।हालांकि इस गिरोह के यश, अंश सहित कई अन्य की गिरफ्तारी होने के बाद और भी खुलासे हो सकते है।

बाढ़ से बचाव को लेकर कटाव रोधी कार्यः पूर्णिया के 14 स्थलों पर कार्रवाई पूरी

बीएनएम। मोतिहारी

संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए जल संसाधन विभाग, बिहार सरकार द्वारा पूर्णिया जिले के 14 संवेदनशील स्थलों पर कटाव रोधी और तटबंध सुरक्षा कार्य पूरे कराए गए हैं। महानंदा नदी के किनारे बैसा प्रखंड के असजा, असजा शर्मा टोला, मथुआ टोली, चुनामारी सिरसी, पोखरिया, मरूआ साउथ टोला, मझवार और मालोपारा तेलंगा में कटाव रोधी कार्य किए गए हैं। इसी नदी के किनारे अमौर प्रखंड के मलहाना और बैरबन्ना गांवों में भी सुरक्षा कार्य पूरे किए गए हैं। इसके अलावा पश्चिम कंकई नदी के किनारे बैसा प्रखंड के हरिया, डुमरिया और मंगलपुर बलुटोल में भी कटाव रोकने के लिए काम किया गया है। इन कार्यों का उद्देश्य बाढ़ के समय होने वाले कटाव से गांवों की सुरक्षा करना और स्थानीय निवासियों की जान-माल को सुरक्षित रखना है। जल संसाधन विभाग का कहना है कि आगे भी ऐसे प्रयास जारी रहेंगे ताकि बाढ़ से पहले सभी जरूरी तैयारियां पूरी हों।

भारत-नेपाल सीमा पर मिले हैंड ग्रेनेड को किया गया डिफ्यूज

जांच को लेकर एसआईटी गठित-सीमा पर बढी चौकसी,सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

बीएनएम। मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा स्थित मैत्री पुल के नीचे मिले एक हैंड ग्रेनेड को बम निरोधक दस्ते द्वारा ग्रेनेड को सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज कर दिया गया। ग्रेनेड किसी को नुकसान न पहुचाये इसके लिए बम निरोधी दस्ता द्वारा हैंड ग्रेनेड को खाली स्थान हवाई अड्डा ले जाए गये। जहां हैंड ग्रेनेड को डिफ्यूज किया गया। डिफ्यूजिंग के दौरान ग्रेनेड से जोरदार आवाज हुई। उल्लेखनीय है,कि यह हैंड ग्रेनेड सरिसवा नदी में नहा रहे बच्चे को बुधवार को मिला था,जिसके बाद देर रात्रि तक सरिसवा नदी के किनारे अन्य विस्फोटकों की तलाश में बम निरोधक दस्ते ने तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कोई अन्य संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए हरैया थाना में अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि घटना को गंभीरता से लिया गया है और विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। एसआईटी यह पता लगाएगी कि हैंड ग्रेनेड सीमावर्ती क्षेत्र में कैसे पहुंचा और इसके पीछे किनका हाथ हो सकता है। भारत-नेपाल सीमा पर हैंड ग्रेनेड मिलने की घटना के बाद से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है और नेपाल से आने वाले हर व्यक्ति की गहनता से जांच की जा रही है। जांच अभियान में डॉग स्क्वायड की भी मदद ली जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने के लिए सीमा पर अतिरिक्त बलों की तैनाती भी की गई है। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि नेपाल में ही किसी ने हैंड ग्रेनेड को नदी में फेंका होगा जो बह कर भारत में मैत्री पुल के पास तक आ गया हो या कोई आतंकी संगठन नेपाल के रास्ते भारत लाये जाने क्रम सीमा पर चौकसी को देखते हुए इसे मैत्री पुल के समीप फेका होगा। बीते कुछ दिनो के दौरान रक्सौल स्थित भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी व अन्य सुरक्षा एजेंसियो ने चौकसी बरतते हुए कई चीन समेत कई देशो के नागरिको अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर पकड़ा है।फिलहाल हैड ग्रेनेड मिलने की घटना के बाद सीमा पर चौकसी और बढा दी गई है।

पिपरा में शिव मंदिर के पुजारी की निर्मम हत्या,दो संदिग्ध हिरासत में

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के पिपरा थाना क्षेत्र के नया चौक स्थित शिव मंदिर में 60 वर्षीय पुजारी की चाकूओ से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी गई।गुरूवार की सुबह खून से लथपथ पुजारी का शव मंदिर परिसर में मिला है। मिली जानकारी के अनुसार पुजारी हरि गिरि बीते 15 वर्षों से मंदिर परिसर में रहकर पूजा-पाठ कर रहे थे। मंदिर परिसर से शव मिलने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।ग्रामीणो ने बताया कि सुबह जब श्रद्धालु मंदिर पहुंचे तो उन्होंने पुजारी का शव खून से लथपथ हालत में मंदिर परिसर में देखने के बाद इसकी सूचना पिपरा थाना को दी। इस गंभीर घटना को देखते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर डीएसपी समेत अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी व एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक साक्ष्य संग्रह किया है,साथ ही घटना की छानबीन करते हुए दो संदिग्धो को हिरासत में लिया है।जिसमे पिपरा थाना क्षेत्र के बेदीबन, मधुबन वाही टोला के निवासी राहुल सिंह व अनिल सिंह शामिल है। जिनसे आवश्यक पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में जमीनी विवाद में घटना कारित होना लग रहा है।हालांकि पुलिस कुछ अन्य एंगल से भी घटना की जांच कर रही है।पुलिस पुजारी हरि गिरी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।फिलहाल घटना को लेकर स्थानीय ग्रामीणो में क्षोभ व आक्रोश व्याप्त है।

संक्षिप्त समाचार

मारपीट में घायल किशोर की पटना एम्स में मौत, गांव में मचा कोहराम

बीएनएम। तुरकौलिया। रघुनाथपुर ओपी थाना क्षेत्र के सपही वार्ड आठ निवासी सहदेव राम के 14 वर्षीय पुत्र सूर्यमान कुमार की पटना एम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। सूर्यमान 23 जून को मारपीट में गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद उसे पहले मोतिहारी सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से हालत नाजुक देख पटना एम्स रेफर किया गया। इलाज के दौरान 25 जून को उसकी मौत हो गई। मृतक की मां उर्मिला देवी ने गांव के राकेश साह, करण साह, ऋतिक कुमार समेत सात लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी घर में घुस आए और सूर्यमान को खींचकर बाहर लाए। फिर लाठी से गर्दन पर वार कर उसे घायल कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही शव गांव पहुंचा, घर में कोहराम मच गया। सूर्यमान पांच भाई-बहनों में इकलौता लड़का था, जिससे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। चारों बहनें भाई के शव से लिपटकर रोती रहीं। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा रहा और बड़ी संख्या में ग्रामीण अंतिम दर्शन को जुटे। रघुनाथपुर थानाध्यक्ष अलका कुमारी ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। दो नाबालिगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

हादसे मे महिला समेत तीन घायल , रेफर

बीएनएम। योगापट्टी : दुर्घटना बेतिया नवलपुर मुख्य सड़क मे त्रिवेणी चौक के समीप का हैं। एक मोटर साईकिल पर पति पत्नी सवार थे जो बैंक से रुपया निकालने के लिए फतेहपुर चौक की ओर जा रहे थे। दूसरी मोटरसाईकिल चालक फतेहपुर से त्रिवेणी चौक की ओर जा रहा था तभी त्रिवेणी चौक से पांच सौ मीटर की दूरी पर दोनों मोटरसाईकिल में आमने सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई । जहाँ टक्कर की आवाज सुन वहाँ मौजूद ग्रामीणों ने दौड़कर घायलों को उठाया और घायलों के परिजनों को जानकारी कर नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र योगापट्टी सुचना कर एम्बुलेंस बुलाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा । घायलों की पहचान सुदर्शन राम उम्र चालीस वर्ष, पत्नी सीमा देवी गांव बलुआ देवराय वार्ड नंबर छः योगापट्टी और तीसरा व्यक्ति राजू राम पिता दसई राम गांव सिहुंड़वा योगापट्टी के रूप मे हुई हैं । तीनो लोगो की स्थिति गंभीर होने के कारण योगापट्टी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे इलाज करते हुए चिकित्सको ने बेहतर इलाज के लिए बेतिया गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रेफर कर दिया ।

बिहार में 'विशेष सघन पुनरीक्षण' एनआरसी जैसी कवायद : सुनील

बीएनएम। बेतिया : भाकपा (माले) नेता सुनील कुमार राव ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का 'विशेष सघन पुनरीक्षण' शुरू किए जाने की प्रक्रिया को गंभीर चिंता का विषय बताया है और इसे एनआरसी (नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स) जैसी कवायद करार दिया है। उन्होने कहा कि यह कवायद असम में हुए एनआरसी अभ्यास की याद दिलाती है। बिहार जैसे राज्य में इस तरह की प्रक्रिया न केवल प्रशासनिक रूप से अव्यावहारिक है, बल्कि इससे बड़े पैमाने पर आम जनता - विशेषकर गरीब, दलित, आदिवासी और मुस्लिम समुदाय के लोग - मतदाता सूची से बाहर कर दिए जाएंगे। उन्होने आगे कहा कि 1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 के बीच जन्मे किसी व्यक्ति को अपने माता या पिता में से किसी एक के भारतीय नागरिक होने और 2 दिसंबर 2004 के बाद जन्मे लोगों को माता-पिता दोनों के नागरिक होने के प्रमाण देने की जो शर्तें लगाई जा रही हैं, वे असम जैसे उदाहरणों से साफ हैं कि कैसे यह लाखों लोगों को उनके संवैधानिक मताधिकार से वंचित कर सकती हैं। माले नेता ने चुनाव आयोग से स्पष्ट रूप से मांग की कि बिहार जैसे राज्य को इस तरह की प्रयोगशाला न बनाया जाए। चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि चुनाव निष्पक्ष, समावेशी और लोकतांत्रिक तरीके से हो - न कि संदेह और नागरिकता की दोहरी जाँच के नाम पर लोगों को डराने की प्रक्रिया के जरिए।

युवाओं में स्किल ट्रेनिंग और खेल संसाधनों की जरुरत

बीएनएम। बगहा: पूर्व नौकरशाह तथा बाबू धाम ट्रस्ट के संस्थापक एपी पाठक अपने चंपारण दौरे पर है,जहां वो नरकटियागंज तथा बगहा विधानसभा का दौरा किया है। इस क्रम में वो लोगों से मिलन जुलन कार्यक्रम कर रहे है तथा लोगों की समस्याएं सुन रहे है।बगहा विधानसभा के सुदूर क्षेत्रों में लोगों से मिलन जुलन कार्यक्रम किए।इसी कड़ी में ओसानी,मंगलपुर के युवाओं द्वारा स्किल ट्रेनिंग और खेल संसाधनों के आवश्यकता पर बल दिया गया।इस संदर्भ में एपी पाठक एसएसबी द्वारा स्किल ट्रेनिंग और खेल प्रतियोगिता कराने और उनके कोटे से सामग्री मदद हेतु एपी पाठक से युवा बात किए जिसको लेकर एपी पाठक सशस्त्र सीमा बल के डीजी से बात करने का आश्वासन युवाओं को दिए।क्योंकि सशस्त्र सीमा बल को स्थानीय स्तर पर उक्त कार्यक्रम के लिए सरकार वित्तीय फंड जारी करती है।इसलिए एपी पाठक सशस्त्र सीमा बल के अधिकारी से मिल मांग रखें।साथ ही वरिष्ठ पत्रकारों,मिडिया कर्मियों और बगहा विधानसभा के कुछ प्रबुद्ध लोगों से एपी पाठक मिलें।बगहा में सुदूर क्षेत्र का दौरा कर बाढ़ पुर्व तैयारियों का जायजा लिए तथा लोगों से मिलन जुलन कार्यक्रम किए।साथ ही इसके पुर्व जिले के अन्य जगहों से आए सैकड़ों लोगों को उनकी समस्याएं अपने आवास पर सुन उनका निराकरण किए।आपको बताते चलें कि एपी पाठक सदैव से ही पिछले डेढ़ दशकों से अधिक समय से गरीबों की सेवा करते आ रहे और लोगों की समस्याओं का समाधान करते आ रहे है।

छापेमारी में 776.8 लीटर विदेशी शराब बरामद

बीएनएम। बगहा: बगहा पुलिस जिला के बथवरिया थाना क्षेत्र में पुलिस ने अंग्रेजी शराब की एक बहुत बड़ी खेप को बरामद की है। जानकारी पुलिस अधीक्षक बगहा सुशांत कुमार सरोज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर गुरुवार को दी है। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के वृर्ति बथवरिया गांव के अनिल यादव के घर बड़ी मात्रा में शराब रखा हुआ है। जिसके आलोक में रामनगर एएसपी सह एसडीपीओ दिव्यांजलि के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर छापेमारी अभियान चलाया गया। जिसमें अनिल यादव के घर से विदेशी शराब का एक बड़ा जखीरा बरामद हुआ। 8 पीएम 45 कार्टून , रॉयल स्टेज के 375 एमएल के 14 एवं 750 एमएल के 4 कार्टून , किंगफिशर 18 कार्टून और खुला 20 पीस पुलिस ने अंग्रेजी शराब बरामद की। जिसकी कुल मात्रा 776.8 लीटर शराब को पुलिस ने जब्त की । एसपी ने बताया कि शराब धंधेबाज अनिल यादव को गिरफ्तार किया गया। आगे की करवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि छापेमारी दल में रामनगर पुलिस निरीक्षक अभय कुमार, सब - इन्स्पेक्टर रामानन्द ठाकुर, बथवरिया थानाध्यक्ष कामेश कुमार, सब - इन्स्पेक्टर मुकेश कुमार, बाली लोहार के साथ बथवरिया थाना के पुलिस बल के मौजूदगी में इस छापेमारी को अंजाम दिया गया।

मारपीट और छिनतई के मामले में दो धराये

बीएनएम। सिकंदरा। लछुआड़ थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक युवक के साथ मारपीट कर मोबाइल छिनतई के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर जमुई न्यायालय भेज दिया । लछुआड़ थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार पाठक ने बताया कि बीते 28 अप्रैल 2025 की रात सिकंदरा नवादा मुख्य मार्ग महना गांव के समीप एक ब्यक्ति से कुछ अपराध कर्मियों के द्वारा मारपीट कर एक मोबाइल छीन लिया गया था। जिसको लेकर अलीगंज के जनार्दन कुमार पिता बिंदेश्वरी राम के द्वारा लछुआड़ थाना में मामला दर्ज कराया गया था। जिसको लेकर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जमुई के नेतृतव में एक टीम का गठन किया गया । जिसमें तकनीकी शाखा कर्मी के साथ लछुआड़ थाना अध्यक्ष उपेंद्र कुमार पाठक, पुअनि नितीश कुमार, प्रेम प्रभात, DIU टीम एवं सशस्त्र बल के द्वारा सिकंदरा थाना क्षेत्र के गहलोत गांव के जलधर यादव का पुत्र सचिन कुमार एवं जमुई थाना के चौडिहा गांव के योगेंद्र यादव का पुत्र प्रिंस कुमार को लूटी हुई मोबाइल के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। थाना अध्यक्ष ने बताया कि दोनों युवक को जमुई न्यायालय भेज दिया गया है।

अनुसंधान में लापरवाही पर न्यायालय सख्त, घोड़ासहन थानाध्यक्ष और पुअनि पर गाज गिरना तय

बीएनएम। मोतिहारी

चोरी की बाइक के साथ पकड़े गए दो अभियुक्तों को न्यायालय ने अनुसंधानकर्ता की लापरवाही के चलते पीआर बॉन्ड पर छोड़ दिया है। एसीजेएम विवेक कुमार मिश्रा की अदालत ने अनुसंधान में गंभीर खामी पाए जाने के बाद घोड़ासहन थानाध्यक्ष अनुज कुमार पांडेय और परि पुअनि प्रतिभा रानी पांडेय के विरुद्ध कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मामला मंगलवार का है, जब घोड़ासहन थाना की पुलिस ने रेलवे ढाला के पास वाहन जांच के दौरान नेपाल के बारा जिले के हरनहिया गांव निवासी लालू मंसुरी और शकुर मंसुरी को एक चोरी की बाइक के साथ पकड़ा। पूछताछ में वे कागजात नहीं दिखा सके, और पुलिस ने दावा किया कि उक्त

बाइक रक्सौल से चोरी हुई थी। अनुसंधानकर्ता पुअनि राजेन्द्र पासवान को इस मामले की जांच सौंपी गई थी। गुरुवार को दोनों अभियुक्तों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। लेकिन अनुसंधानकर्ता द्वारा ठोस सबूत और संतोषजनक कारण प्रस्तुत न किए जाने पर अदालत ने उन्हें जेल भेजने से इंकार कर दिया और पीआर बॉन्ड पर रिहा कर दिया। अदालत में अनुसंधानकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि थानाध्यक्ष ने जबरन उनसे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाए और किसी प्रकार की विधिवत जांच नहीं की गई। वहीं, अभियुक्तों ने भी कहा कि उनके पास बाइक के कागजात थे, जिन्हें पुलिस ने जबरन छीन लिया। उनके पास से बरामद मोबाइल फोन और नकदी का भी जब्ती सूची में कोई जिक्र नहीं है। न्यायालय ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए घोड़ासहन थानाध्यक्ष अनुज कुमार पांडेय और परि पुअनि प्रतिभा रानी पांडेय के विरुद्ध कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई करने का स्पष्ट निर्देश जारी किया है।

574 लीटर शराब के साथ पिकअप जब्त ,धंधेबाज फरार

बीएनएम। योगापट्टी

योगापट्टी पुलिस ने बुधवार की रात्रि करीब 8 बजे बरियारपुर से 574 लीटर विदेशी शराब के साथ एक पिकअप को जब्त कर लिया है। जानकारी देते हुए योगापट्टी थानाध्यक्ष सम्राट सिंह ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिला की पिकअप पर शराब भारी मात्रा में आ रही है। जो मच्छरगांवा के तरफ जाएगा ,सूचना के आलोक में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक टीम गठित की गठित टीम बरियारपुर पहुंचा और जाल बिछाया जैसे ही पिकअप आता देख पुलिस ने रोकने का इशारा किया कि चालक ने पिकअप छोड़ फरार हो गया। तलाशी के दौरान 574 लीटर विदेशी शराब बरामद की । ,पुलिस ने बताया कि चालक की पहचान मुकेश यादव के रूप में हुई है। मामले में पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई में जुट गई है। बरामद शराब में 3118 पीस 8 पीएम एवं 13 पीस रॉयल स्टैग का बताया जा रहा है।

रक्सौल में "पीएम सूर्य घर" योजना को लेकर समीक्षा बैठक, उपभोक्ताओं को मिलेगा मुफ्त बिजली का लाभ

बीएनएम। रक्सौल

प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना की सफलता सुनिश्चित करने को लेकर गुरुवार को रक्सौल प्रमंडल कार्यालय में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विद्युत कार्यपालक अभियंता अजय कुमार ने की। बैठक में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में योजना के क्रियान्वयन, लाभ, आवेदन प्रक्रिया और पर्यावरणीय योगदान पर चर्चा की गई। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि यह योजना घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल में भारी राहत देने के साथ-साथ अतिरिक्त बिजली की बिक्री से आमदनी का मौका भी देगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य रूफटॉप सोलर के जरिए 30 गीगावाट सौर क्षमता हासिल करना है, जिससे आने वाले 25 वर्षों में लगभग 720 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में

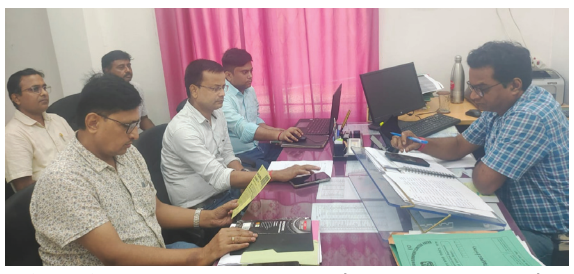

कमी आएगी।

रोजगार और पर्यावरण को मिलेगा लाभ-श्री कुमार ने बताया कि इस योजना से निर्माण, लॉजिस्टिक्स, स्थापना व रखरखाव सहित कई क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। एक बार सौर पैनल लगने के बाद उपभोक्ता बिना किसी अतिरिक्त खर्च के वर्षों तक मुफ्त बिजली का लाभ उठा सकेंगे।

आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन-योजना के तहत https://pmsuryaghar.gov.in पोर्टल के माध्यम से उपभोक्ता आवेदन कर सकते हैं। स्वीकृति के बाद वे किसी भी पंजीकृत विक्रेता से सोलर संयंत्र लगवा सकते हैं।

सरकार दे रही अनुदान व आसान लोन-सरकार 3 किलोवाट तक के संयंत्र पर 78,000 तक का अनुदान दे रही है। साथ ही, सभी बैंकों से आसान किस्तों में ऋण की भी व्यवस्था की गई है।

बैठक में मौजूद रहे अधिकारी-बैठक में सहायक विद्युत अभियंता सुनील रंजन, लेखा अधिकारी अनुज कुमार, सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधक आशीष आनंद, मेगा कैलिबर के संजय कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नल-जल योजना ठप, पानी के लिए तरस रहे लोग

» लाखों की राशि बह गई पानी की तरह

बीएनएम। तुरकौलिया

सरकार की बहुप्रचारित नल-जल योजना प्रखंड के कई पंचायतों में दम तोड़ चुकी है। चिलचिलाती गर्मी में आम लोग एक-एक बूंद पानी के लिए परेशान हैं। माधोपुर मधुमालत पंचायत के वार्ड संख्या 11 में स्थिति बेहद गंभीर है। यहां नल-जल योजना के तहत लगी पानी की टंकी सिर्फ शोभा की वस्तु बनकर रह गई है। पिछले एक साल से पानी की सप्लाई पूरी तरह बंद है। लाखों रुपये की लागत से बनी यह व्यवस्था अब सिर्फ कागजों में जीवित है। ग्रामीण शुद्ध पेयजल के अभाव में दूषित पानी पीने को मजबूर हैं, जिससे बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। चापाकल भी सूख चुके हैं और हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। नाराज ग्रामीणों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रियांशु प्रिया को आवेदन सौंपकर तत्काल मरम्मत और जल आपूर्ति बहाल करने की

मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि दो महीने पहले भी शिकायत की गई थी, लेकिन केवल मोटर खोलकर ले जाने के बाद से कोई सुधार नहीं हुआ। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे और जिलाधिकारी से मिलकर अपनी समस्या रखेंगे। बीडीओ प्रियांशु प्रिया ने आश्वासन दिया है कि जल्द मरम्मत कराकर जल आपूर्ति बहाल कराई जाएगी। आवेदन देने वालों में अजय उपाध्याय, किशोरी राउत, मुन्ना अंसारी, विमल चौधरी, विजय कुमार, नवाब अंसारी, दिलवर दास, सुरेंद्र यादव आदि शामिल हैं।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सलहा को पीएम श्री योजना में सम्मिलित करने पर ग्रामीणों में आक्रोश

» सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण पहुंचे विद्यालय

» सरकार के विरुद्ध फूटा जनाक्रोश

बीएनएम। बगहा

प्रखंड की सलहा - बरिअरवा पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विधालय सलहा को पीएम श्री योजना में सरकारी स्तर से सम्मलित करने पर गुरुवार को सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण विधालय पहुंच कर सरकार के विरुद्ध आक्रोश जताया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, शिक्षा मंत्री और जिलाधिकारी पश्चिमी चम्पारण से पीएम श्री योजना से उक्त विधालय को मुक्त कराने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप था कि पीएम श्री योजना के तहत उच्च विद्यालय झारमहुई में सम्मलित किया गया है। जो राजकीय उत्क्रमित मध्य विधालय सलहा से लगभग 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, साथ ही बाढ़ प्रभावित इलाका है। इस दौरान मुडिला, जिगना, सलहा समेत मुसहर टोली

आक्रोशित ग्रामीण

गांव के सैकड़ों की संख्या में लोग विधालय आ गए। तथा सभी लोगों ने पीएम श्री योजना के तहत सम्मलित किये जाने पर आक्रोश जताया। सलहा - बरिअरवा पंचायत के पैक्स अध्यक्ष सुरेश यादव, समाजसेवी नथुनी यादव, राजेश चौधरी, विनोद यादव, सोहन राम, वीरेंद्र पंडित, शिव मुसहर, वार्ड सदस्या उषा देवी, महंथ मांझी, अमरेन्द्र पांडेय समेत सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों का कहना था कि जैसे ही सुचना मिली कि राजकीय उत्क्रमित मध्य विधालय सलहा को पीएम श्री योजना में सम्मलित किया गया है, तो वे प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बगहा एक अतिरिक्त से मिल कर एक आवेदन दी । तथा पीएम श्री योजना से वंचित करने की मांग की गई। बावजूद भी सरकारी स्तर पर किसी भी पदाधिकारियों ने ध्यान नही दिया । उन्होंने बताया कि उक्त पंचायत मसान नदी से काफी प्रभावित है, तथा हमेशा बाढ़ से कटाव होता है। तथा सडकें भी ध्वस्त हो जाती है, जिससे आवागमन की हमेशा परेशानी रहती है। इस परिस्थिति में छोटे बच्चे कैसे झारमहुई उच्च विद्यालय में शिक्षा के लिए जा सकते हैं। उन्होंने विभाग और सरकार को भी चेतया कि उक्त विधालय को पीएम श्री योजना से वंचित किया जाये, अन्यथा वे जन आंदोलन पर उतारु होने पर विवश हो जायेगें। इस संदर्भ में विधालय के प्रधानाध्यापक अली अहमद अंसारी ने बताया कि विभागीय स्तर से पत्र प्राप्त है। विधालय में वर्ग 6 से 8 तक के नामांकित बच्चों की संख्या 138 है। तथा वे दलित महादलित एवं अल्पसंख्यक समुदाय से आते हैं। उन्होंने बताया कि सलहा विधालय से झारमहुई उच्च विद्यालय की दूरी लगभग 6 किलोमीटर से अधिक है। तथा झारमहुई उच्च विद्यालय बाढ़ प्रभावित इलाका है।

स्पार्क कंपनी की नकली चप्पल बेचने वाले गिरोह का खुलासा

बीएनएम। अररिया

नकली उत्पादों पर रोक लगाने की दिशा में बड़ी सफलता हासिल करते हुए फारबिसगंज पुलिस ने स्पार्क कंपनी की नकली चप्पलों की बड़ी खेप बरामद की है। दिल्ली से आए कंपनी के जांचकर्ता मनीष गुप्ता की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन अलग-अलग ठिकानों से कुल 443 जोड़ी नकली चप्पल बरामद किए हैं। पुलिस ने कंपनी के कर्मचारी के साथ सुल्तान पोखर वार्ड संख्या-04 में शोभा देवी के घर छापेमारी की, जहां से 264 जोड़ी नकली चप्पलें मिलीं। सृष्टि फूट एंड स्लीपर स्टोर संचालक राजेन्द्र कुमार राम के दुकान में हुई छापेमारी में वहां से 96 जोड़ी नकली चप्पलें जब्त की गईं। तीसरा छापा पेटल चौक वार्ड संख्या-09 में राम कुमार की दुकान पर पड़ा, जहां से 83 जोड़ी नकली चप्पलें बरामद की गईं। तीनों दुकानदार बिल दिखाने में असमर्थ रहे। सभी को कॉपीराइट अधिनियम 1957 की धारा 63 के तहत चेतावनी दी गई और जब्त चप्पलों को थाना लाया गया। फारबिसगंज पुलिस ने इस कार्रवाई को बड़ी उपलब्धि बताया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पलनवा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, नेपाली शराब के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

बीएनएम। रामगढ़वा

पलनवा पुलिस ने बुधवार को विशेष छापेमारी कर नेपाली शराब की बड़ी खेप के साथ एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई बहुवरावा गांव के समीप की गई, जहां गुप्त सूचना के आधार पर नाकाबंदी कर तस्कर को दबोचा गया। थानाध्यक्ष सीता केवट ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान पलनवा थाना क्षेत्र के धंगाड टोली निवासी सूरज कुमार (पिता मुनिलाल धंगाड़ा) के रूप में की गई है। आरोपी अपाचे मोटरसाइकिल पर 145 पीस कस्तूरी नेपाली शराब जुट के बोरे में लेकर जा रहा था।

पुलिस ने मौके से शराब और मोटरसाइकिल जब्त कर ली है। आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस बल की सक्रिय मौजूदगी रही।

प्राण वायु की रक्षा के लिए लगाएं पौधा : डॉ. सत्य प्रकाश

बीएनएम। कोटवा

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से राजकीय प्राथमिक विद्यालय, भोपतपुर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोपालगंज निवासी पर्यावरण मित्र डॉ. सत्य प्रकाश ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि "पौधे हमारे प्राणों की रक्षा करते हैं। बदलते मौसम पर नियंत्रण और स्वच्छ वायु के लिए अधिक से अधिक पौधा लगाना आवश्यक है।" उन्होंने सभी को प्रेरित किया कि वे जन्मदिन, शादी की सालगिरह एवं अन्य विशेष अवसरों पर पौधे अवश्य लगाएं। उन्होंने कहा, "एक पौधा दस पुत्रों के समान होता है।" कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. सत्य प्रकाश और विद्यालय की प्रधानाध्यापिका इंदु कुमारी ने पौधरोपण कर की। इसके बाद अन्य शिक्षकों और छात्रों ने भी फलदार, छायादार एवं दीर्घायु पौधे लगाकर पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय से स्थानांतरित हो रही शिक्षिकाएं — रत्ना कुमारी, पल्लवी श्रीवास्तव, नीलम कुमारी

स्थाना — ने पौधरोपण कर विद्यालय से विदाई ली। उन्होंने संकल्प लिया कि आगे भी हर शुभ अवसर पर पौधा अवश्य लगाएंगी। छात्रों और अभिभावकों ने भी पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में शिक्षक नित्यानंद तिवारी, रामजी प्रसाद यादव, अनुराधा कुमारी, नंदलाल साह, अंजली, कुमारी निधि, राकेश कुमार साह, शीला कुमारी, प्रमोद कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मारपीट की प्राथमिकी

बीएनएम। जमुई /झाझा

थाना क्षेत्र के टहवा गांव के रहने वाले एक बुजुर्ग किराना दुकानदार ने बलियाडीह गांव तीन युवकों पर नशे की हालात में मारपीट करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई। दर्ज आवेदन में दुकानदार हीरा दास ने बताया कि गांव में किराना दुकान अपने परिवार के साथ मिलकर चलाता हूं। बलियाडीह गांव के रहने वाले विकास कुमार दास, संदीप दास, राजा कुमार नशे की हालात में मेरे दुकान पर आकर उधार सिगरेट, गुटखा और बाइक में पेट्रोल देने की मांग करने लगा जिसका विरोध मेरी पत्नी तेतरी देवी ने की तो तीनों युवकों ने गाली गलौज करते हुए धक्का मुक्की करते हुए जबरन अपनी बाइक में पेट्रोल भर लिया और एक डिब्बा में कुछ दुकान की राशि था उसे भी ले लिया। पीड़ित ने बताया कि जिसके बाद डायल 112 को सूचना दिया तो पुलिस पहुंची और भाग रहे तीनो युवकों को पकड़ लिया। वही पकड़े गए तीनो युवकों पर प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने कागजी कार्रवाई कर तीनो को न्यायिक हिरासत में जमुई भेज दिया।

मेडे, ये वो आपात संदेश

मेडे, ये वो आपात संदेश था जो अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के विमान के पायलट ने उड़ान भरने के तुरंत बाद हवाई यातायात नियंत्रक (एटीसी) को भेजा था, लेकिन एटीसी जब तक कोई प्रतिक्रिया करता तब तक दूसरी ओर सुनने वाला कोई बचा नहीं था।विमान टेक ऑफ करने के कुछ ही मिनटों के भीतर हवाई अड्डे के बाहर सिविल अस्पताल और बीजे मेडिकल कॉलेज के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार देशी विदेशी यात्रियों और क्रू सहित 242 लोगों में से सिर्फ एक खुशकिस्मत यात्री के सिवा कोई नहीं बचा। मेडिकल कॉलेज हॉस्टल, कैफेटेरिया को भी भारी क्षति पहुंची और 10 से अधिक लोगों की भी मौत हुई है जिनमें कुछ प्रशिक्षु चिकित्सक थे। लंदन जा रहे गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी मृत्यु हो गई। स्वाभाविक तौर पर यह कभी न भूलने वाला गम है। हादसे के वास्तविक कारणों का पता तो जांच के बाद ही लग सकेगा, लेकिन कुछ तथ्यों पर तुरंत गौर करना जरूरी है। वह क्या कारण थे कि बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान (एआई171) उड़ान भरने के बाद 625 फुट से ऊपर नहीं उठ पाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विमान के लैंडिंग गेयर भी तब तक सिमटे नहीं थे कि पायलट को आपात पुकार लगानी पड़ी, लैंडिंग गेयर समेटने की प्रक्रिया स्वचालित होती है। क्या विमान टेक ऑफ के लिए जरूरी गति नहीं पकड़ पाया था। विमान को तेजी से नीचे आते देखा गया और यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ऐसा भी नहीं है कि पायलट कम अनुभवी रहे हों। उड़ान की कमान कैप्टेन सुमित सभरवाल के हाथों थी। सभरवाल के पास 8200 घंटे की उड़ान का अनुभव था। हादसे की परिस्थितियां विमान के रखरखाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। क्या उड़ान से पहले जरूरी जांचों में लापरवाही बरती गई थी? बोइंग कंपनी के विमानों को लेकर बीते वर्षों में इसमें कई तकनीकी और सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं भी सामने आई हैं। कई बार ड्रीमलाइनर्स मॉडल के सभी विमानों को उड़ान भरने से रोका जा चुका है। कंपनी अभी तक तो सभी आरोपों से इनकार करके बचती रही है। अब वक्त आ गया है कि अहमदाबाद हादसे में मारे गए पायलट की आपात पुकार को हर वक्त सुना जाए और विमानों के मेंटिनेंस में लापरवाही को आपराधिक कृत्य माना जाए ताकि अब कोई और हादसा न हो और देश की छवि पर कोई धब्बा न लगे।

रोजगार में बढ़ोतरी और श्रमिक कल्याण के डिजिटल उपाय

भारतीय कामगारों का सशक्तिकरण

वी. अनंत नागेश्वरन

आधुनिक डिजिटल युग में, चैटबॉट, पोर्टल, ऑनलाइन शिकायत निवारण व्यवस्था और प्रबंधन सूचना प्रणालियों द्वारा संचालित ई-गवर्नेंस पोर्टल ने सरकार को लोगों के बेहद करीब ला दिया है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से सरकार रोजगार वृद्धि और कामगारों की सामाजिक सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में सेवा प्रदान करने को फिर से परिभाषित और पुनर्संयोजित कर रही है। अब प्रक्रियाएं अधिक कुशल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बन रही हैं। योजना से संबंधित पोर्टल अब ऑल-इन-वन (एकल सुविधा) प्लेटफ़ॉर्म के रूप में कार्य कर रहे हैं, जो धोखाधड़ी, मैन्युअल प्रक्रियाओं और प्रशासनिक बोझ कम करते हुए कार्यक्रमों के बारे में निर्बाध ज्ञान प्रवाह और लाभ मापन की सुविधा प्रदान करते हैं। योजनाओं को आधार कार्ड से जोड़ने और विभिन्न योजनाओं के साथ इसके अंतर्संबंध से किसी को दो बार लाभ लेने से रोकने के साथ ही यह सुनिश्चित होता है कि लाभ सबसे पर लक्षित लोगों तक ही पहुंचे। आपस में जुड़े पोर्टल कामगारों को लाभकारी योजनाओं तक पहुंचने और आवेदन की स्थिति जानने, रोजगार के अवसरों का पता लगाने और कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं। जबकि ये नियोक्ताओं को राष्ट्रीय प्रतिभा पूल के उपयोग में सहायता प्रदान करते हैं, जिससे कौशल और अनुभव के आधार पर कामगारों की भर्ती संभव हो पाती है। इसके अतिरिक्त, ये पोर्टल असंगठित श्रमिकों, नौकरी के इच्छुक कामगारों, नियोक्ताओं और रोजगार के अवसरों का व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने में योगदान देते हैं, जिससे नीति निर्माताओं को सूचित, डेटा-समर्थित निर्णय लेने की सहूलियत मिलती है। किसी बड़े संकट के समय, महामारी इत्यादि के दौरान, ये डेटाबेस बेहद उपयोगी सिद्ध होंगे, जिससे जरूरतमंदों की शीघ्रता से पहचान और समय पर सहायता सुनिश्चित हो सकेगी। यह डिजिटल शासन में परिवर्तन को सुव्यवस्थित कर रहा है, नागरिकों को सशक्त बना रहा है और कल्याणकारी प्रयासों की व्यापकता और प्रभावशीलता बढ़ा रहा है। इस पहल के कुछ उदाहरणों की यहां चर्चा की गई है। राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल इस परिवर्तनकारी पहल का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा 2015 में आरंभ किए गए इस पोर्टल ने रोजगार के इच्छुक व्यक्तियों को संबंधित सेवा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 5 करोड़ 50 लाख से अधिक कामगारों के पंजीकरण के साथ, यह एक वन-स्टॉप प्लेटफ़ॉर्म के रूप में काम कर रहा है जो नौकरी पाने के इच्छुक व्यक्तियों को देश भर में रोजगार के अवसरों से जोड़ता है। इस पर उन्हें करियर काउंसलिंग, जॉब मैचिंग, इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप (प्रशिक्षुता), कौशल विकास पाठ्यक्रम आदि की जानकारी प्रदान की जाती है। किसी राज्य विश्वविद्यालय से तुरंत स्नातक होने वाला छात्र पहले मोबाइल फ़ोन के जरिए देश भर में नौकरी के अवसरों को जानने की कल्पना भी नहीं कर सकता था। पर आज, एनसीएस की मदद से कोई भी व्यक्ति आसानी से स्थान के हिसाब से पीएम गतिशक्ति के साथ एकीकरण के जरिए, देश भर में नौकरियों की खोज कर सकता है, करियर और नौकरी संबंधी परामर्श प्राप्त कर सकता है और यहां तक कि स्किल इंडिया डिजिटल (एसआईडी) पोर्टल के ज़रिए आवश्यक कौशल भी हासिल कर सकता है। यह सब उसे फ़ोन पर या स्थानीय रोजगार मेलों में शामिल होकर मिल सकता है। एनसीएस परियोजना के अंतर्गत अब तक लगभग 57 हजार रोज़गार मेले आयोजित किए जा चुके हैं। इसके अलावा, एनसीएस पोर्टल को स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच), उद्यम, ई-श्रम, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), पीएम गतिशक्ति, डिजीलॉकर और अन्य के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे हितधारकों की उन तक पहुंच और दक्षता में वृद्धि हुई है। यह पोर्टल लगभग 30 राज्यों और निजी रोजगार पोर्टलों से भी जुड़ा हुआ है, जिससे कामगारों को नौकरी के अवसरों तक व्यापक पहुंच हो रही है। इसी तरह, श्रम सुविधा और समाधान पोर्टल, उद्योग और व्यापार के लिए अनुपालन और व्यापार सुगमता को बढ़ाते हैं तथा विवादों का तेजी से समाधान और दावे तथा श्रमिकों की शिकायतों का निपटान सुनिश्चित करते हैं। ईएसआईसी धनवंतरी मॉड्यूल अस्पतालों और औषधालयों को मरीजों का रिकॉर्ड (परीक्षण इत्यादि) पिछले मामले के इतिहास आदि की बेहतर उपलब्धता प्रदान करने में सक्षम बनाता है, जिससे रोगी की बेहतर देखभाल सुनिश्चित होती है। ये पहल सरकार के संकल्प के स्पष्ट प्रमाण हैं कि प्रौद्योगिकी के लाभ से विभिन्न पहल द्वारा सभी के लिए अधिक सुलभ, कुशल और पारदर्शी सेवा मुहैया कराने के कल्याणकारी उपायों में कोई भी पीछे न छूटे। रोजगार का दूसरा पहलू सामाजिक सुरक्षा है। भारत में एक बड़ा अनौपचारिक, असंगठित क्षेत्र है जो रोजगार प्रदान करता है। ऐसे रोजगार में नियोक्ता द्वारा कोई लिखित अनुबंध और सामाजिक सुरक्षा नहीं होती। इन कामगारों के लिए, बीमारी, चोट, दुर्घटना, नौकरी छूटना या अन्य आपात स्थिति जैसी कोई भी घटना तुरंत विपत्ति में बदल सकती है। अब सरकार के सामाजिक सुरक्षा के उपाय अस्थायी संकट को आजीवन कठिनाई में बदलने से रोकते हैं। सरकार के निरंतर प्रयासों से इसमें महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और सबको सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। हाल तक लाखों असंगठित श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभों तक जागरूकता और पहुंच सीमित थी। पर ई-श्रम पोर्टल ने इस चुनौती का समाधान किया है। असंगठित श्रमिकों को अब सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए एक विशिष्ट पहचान मिला है। वर्ष 2021 में आरंभ किए गए इस पोर्टल पर 30 करोड़ 70 लाख से अधिक असंगठित श्रमिक पंजीकृत हैं। यह पोर्टल लगभग 13 सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को एक ही स्थान पर एकीकृत कर श्रमिकों के लिए एकल समाधान के रूप में कार्य करता है, जिससे लाभों को लक्षित रुप से पहुंचाना, उन तक बेहतर पहुंच और योजना संतृप्ति (योजना लाभ) संभव हो पाता है। केंद्रीय बजट 2025-26 में गिग श्रमिकों (अल्पकालिक, अनुबंध-आधारित नौकरी करने वाले) का ई-श्रम से पंजीकरण कर विशिष्ट पहचान पत्र प्रदान किया गया है और उन्हें पीएम जन आरोग्य योजना के दायरे में लाकर सामाजिक सुरक्षा प्रदान की गई है। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ श्रमिकों का विवरण साझा करके, पोर्टल राज्य स्तर पर श्रमिक कल्याण कार्यक्रमों की बेहतर योजना और कार्यान्वयन को सक्षम बनाता है। इसके अलावा, पोर्टल को राष्ट्रीय करियर सेवा, स्किल इंडिया डिजिटल हब, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (पीएम-एसवाईएम), सरकारी योजनाएं खोजने के लिए वन स्टॉप समाधान प्रदान करने वाला राष्ट्रीय प्लेटफ़ॉर्म माईस्कीम, दिशा योजना आदि के साथ एकीकृत किया गया है। यह श्रमिकों को ई-श्रम पर एक बार पंजीकरण कराने से ही केंद्र और राज्य सरकारों के कई योजना पोर्टलों तक निर्बाध पहुंच प्रदान करता है। इससे योजना की पात्रता, योजना के लाभों, नौकरी के अवसरों का पता लगाने, कौशल प्रशिक्षण, पेंशन और बीमा जैसे लाभ की जानकारी एक ही स्थान पर मिलती है। इसकी पहुंच और भी व्यापक बनाने के लिए हाल ही में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की भाषिणी परियोजना की 22 भाषाओं वाली एक बहुभाषी सुविधा को ई-श्रम में जोड़ा गया है। परिचालन को सरल बनाने के लिए राज्य माइक्रोसाइट और मोबाइल ऐप लॉन्च किए गए हैं। इन प्रयासों से उल्लेखनीय सफलता और घरेलू स्तर पर सराहना के साथ ही वैश्विक स्तर पर भी मान्यता मिली है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के नवीनतम डेटाबेस अद्यतन के अनुसार, भारत का सामाजिक सुरक्षा दायरा 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64 दशमलव 3 प्रतिशत हो गया है। आईएलओ की विश्व सामाजिक सुरक्षा 2026 की रिपोर्ट के अनुसार लाभार्थियों के मामले में भारत 94 करोड़ 13 लाख के साथ दूसरे स्थान पर है। यह बढोतरी देश में सामाजिक सुरक्षा दायरे की गणना में 32 केंद्रीय योजनाओं के साथ राज्य की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को शामिल करने के सरकार के प्रयासों का परिणाम है। विश्व सामाजिक सुरक्षा 2026 के लिए डेटा पूलिंग की चल रही कवायद के तहत सामाजिक सुरक्षा दायरे में इस विकास को शामिल करने वाला भारत पहला देश बन गया है। इसी क्रम में, 34 करोड़ 60 लाख से अधिक सदस्यों वाले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने ईपीएफओ के द्वितीय चरण में बदलाव के लिए कई डिजिटल सुधार लागू किए हैं। इनसे सदस्यों की पहुंच बढ़ी है और नियोक्ताओं का काम आसान हो गया है। यूनिवर्सल अकाउंट नंबर शुरू करने, एकीकृत केंद्रीकृत डेटाबेस बनाने, ई-पासबुक, उमंग ऐप, योगदानकर्ताओं के अंशदान का ई-संग्रह और डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र के प्रावधान सहित प्रमुख पहल से सदस्यों की सुविधा बढ़ी है। ईपीएफओ के तहत केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली आरंभ होने से देश में कहीं से भी पेंशन प्राप्त करने से 77 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा। इसके अतिरिक्त, ऑटो-क्लेम सेटलमेंट सीमा बढ़ाकर एक लाख रुपए करने से लगभग 7 करोड़ 50 लाख सदस्यों को सुगमता होगी और दावों का निपटान तेजी से हो सकेगा। ईपीएफओ ने फंड ट्रांसफर प्रक्रिया को भी सरल बनाया है, जिससे एक करोड़ 25 लाख से अधिक सदस्यों को लाभ हुआ है और लगभग 90 हजार करोड़ रुपए का वार्षिक अंतरण सुगम हुआ है। इन सुधारों और ईपीएफओ के आधुनिकीकरण तथा डिजिटलीकरण दक्षता बढ़ाने और मैनुअल प्रक्रियाओं पर निर्भरता कम करने से सदस्यों और नियोक्ताओं दोनों के लिए प्रणाली संचालन आसान हो जाएगा।

देश की एकता व अखंडता के लिये ख़तरनाक है भाषाई विवाद

निर्मल रानी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों नई दिल्ली में एक पूर्व आईएएस अधिकारी द्वारा लिखित एक पुस्तक का विमोचन किया। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक वाक्य बोलकर राष्ट्रीय स्तर पर भाषाई विवाद को जन्म दे दिया। गृह मंत्री ने कहा कि इस देश में अंग्रेज़ी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक अमित शाह के इस बयान की काफ़ी तीखी आलोचना हुई। कुछ लोगों ने अंग्रेज़ी को रोज़गार परक भाषा बताया तो कुछ का मानना था कि आत्मविश्वास के लिए अंग्रेज़ी का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। जबकि कुछ नेताओं ने इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता को कमज़ोर करने और हिंदी थोपने के प्रयास की नज़रों से देखा। आश्चर्य की बात तो यह है कि भारत सरकार के ही अनेक मंत्री ऐसे हैं जो धाराप्रवाह अंग्रेज़ी बोलते हैं। कई प्रमुख मंत्री हैं तो ऐसे भी हैं जो अंग्रेज़ी में प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए ही जाने जाते हैं। उदाहरण के तौर पर वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण अंग्रेज़ी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं। वे जेएनयू से अर्थशास्त्र की डिग्री धारक है। वित्तीय नीतियों पर वैश्विक मंचों जैसे जी 20 पर उनके भाषण उनके अंग्रेज़ी बोलने के कौशल को दर्शाते हैं। इसी तरह विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर, जो पूर्व राजनयिक भी रहे हैं, अंग्रेज़ी में असाधारण रूप से धाराप्रवाह हैं। वह अंतरराष्ट्रीय मंचों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और कूटनीतिक चर्चाओं में प्रायः अंग्रेज़ी का व्यापक उपयोग करते हैं। इसी प्रकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अंग्रेज़ी बड़े ही आत्मविश्वास के साथ बोलते हैं, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और निवेश से संबंधित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में उनकी धारा प्रवाह अंग्रेज़ी उनकी क़ाबलियत में चार चाँद लगाती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यह भी पूर्व राजनयिक हैं तथा अंग्रेज़ी में उत्कृष्ट संवाद का कौशल रखते हैं। वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों पर अंग्रेज़ी भाषा के माध्यम से ही भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसी तरह नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जोकि हार्वर्ड और स्टैनफ़ोर्ड से शिक्षित हैं अंग्रेज़ी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं और संसद व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसका उपयोग करते हैं। अमेरिका में शिक्षित और प्रशिक्षित चिकित्सक ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी, जो हैं, अंग्रेज़ी में पूरी तरह से पारंगत हैं। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं विशेषकर दक्षिण भारत के अधिकांश सांसद व मंत्री अंग्रेज़ी में संवाद करते हैं। ऐसे में अमित शाह का यह कहना कि ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है कि इस देश में अंग्रेज़ी बोलने वालों को शर्म आएगी,इसका अर्थ निकालना व इसका विश्लेषण करना बेहद ज़रूरी है। क्यों शर्म आयेगी अंग्रेज़ी बोलने वालों को ? स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जब विदेश जाते हैं तो प्रॉम्प्टर पर ही सही परन्तु अंग्रेज़ी में ही भाषण देकर भारत का पक्ष रखते हैं ? कश्मीर से कन्याकुमारी तक आप कहीं भी चले जाइये ,यदि आप क्षेत्रीय भाषा बोल पाने में असमर्थ हैं तो अंग्रेज़ी ही ऐसी भाषा है जो एक दूसरे राज्य के लोगों के मध्य संवाद स्थापित करने का सुगम माध्यम बनती है। देश ही नहीं लगभग पूरे विश्व में अंग्रेज़ी भाषा विभिन्न देशों के लोगों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करती है। आज गृह मंत्री अमित शाह के दर्जनों मंत्रिमंडलीय सहयोगियों,सांसदों व अधिकारियों व राज्य स्तरीय भाजपा नेताओं की संतानें अमेरिका,ब्रिटेन,ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य कई देशों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। ज़ाहिर है राष्ट्रवादियों की यह संतानें वहां संस्कृत या हिंदी माध्यम से पढ़ने के

लिये नहीं गयी हैं। बल्कि यह वहां पढ़कर अंग्रेज़ी भाषा में ही पारंगत होंगी। तो क्या आने वाले कल को इन्हें भी अंग्रेज़ी बोलने में शर्म आएगी ? इसमें कोई संदेह नहीं कि क्षेत्रीय भारतीय भाषाएं भारतीय संस्कृति के आभूषण के समान हैं। परन्तु अदालत से लेकर संसद व दूतावासों तक व मेडिकल व विज्ञान शिक्षा में ख़ासकर प्रयुक्त होने वाली अंग्रेज़ी भाषा को शर्म वाली भाषा तो हरगिज़ नहीं कहा जा सकता। गृह मंत्री के अनुसार यदि शर्म ही आने की संभावना है तो कम से कम अपनी सरकारी योजनाओं का मेक इन इंडिया,डिजिटल इंडिया,स्टार्टअप इंडिया जैसा अंग्रेज़ी नाम तो न रखते ? इस सम्बन्ध में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेज़ी सीखना आर्थिक रूप से उपयोगी है और इससे रोज़गार के अवसर बढ़ते हैं। राहुल गांधी ने शाह के इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता पर हमला बताया। कांग्रेस ने तो इसे सांस्कृतिक आतंकवाद का हिस्सा बताया और कहा कि अंग्रेज़ी वैश्विक संदर्भ में भारत के युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके ने भी शाह के बयान को हिंदी थोपने की एक और कोशिश के रूप में देखा है । डीएमके ने तर्क दिया कि अंग्रेज़ी भारत की भाषाई विविधता को जोड़ने वाली कड़ी है और इसे कमज़ोर करना देश की एकता के लिए हानिकारक हो सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम ने अन्नादुरै का हवाला देते हुए कहा कि हिंदी को जबरन थोपना स्वीकार्य नहीं है। इसी तरह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेताओं ने शाह की टिप्पणी को उनकी संकीर्ण राजनीति का परिचायक बताया और कहा कि अधिक भाषाएं सीखने से ज्ञान में वृद्धि होती है, न कि शर्मिंदगी। भारत में लोग अपनी पसंद की भाषा बोलने के लिए स्वतंत्र हैं। अंग्रेज़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण सेतु है। यह न केवल रोज़गार के अवसर प्रदान करती है, बल्कि नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक सहयोग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके विपरीत अंग्रेज़ी को हटाने या कम करने से भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा भी प्रभावित हो सकती है। इसलिये कहा जा सकता है कि अमित शाह का बयान अदूरदर्शी होने के साथ साथ पूर्वाग्रह पूर्ण भी है जोकि भारत की भाषाई विविधता को नज़रअंदाज़ करता है। वैसे भी हमारे समाज में अंग्रेज़ी बोलने वालों को हमेशा इज़्ज़त की नज़र से देखा जाता है, इसलिये भी यह बयान सामाजिक समानता के विरुद्ध है। रहा सवाल अंग्रेज़ी को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ने की मानसिकता को औपनिवेशिक सोच से जोड़ने का परिणाम बताना तो हमारा पहनावा,उपयोग की वस्तुयें,क्रॉकरी,मकानों की बनावट वैज्ञानिक सामग्रियों पर बढ़ती निर्भरता यह सब भी पश्चिमी प्रभाव का ही परिणाम है। हम किन किन चीज़ों को पश्चिमी कहकर ठुकराते रहेंगे ? इस तरह के ग़ैरज़िम्मेदाराना बयानों से हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओँ का भला तो नहीं होगा बल्कि राजनीतिक ध्रुवीकरण ज़रूर बढ़ सकता है। ख़ासकर दक्षिणी राज्यों में इसे क्षेत्रीय अस्मिता पर हमले के रूप में भी देखा जा सकता है। इसलिये देश की एकता व अखंडता के लिये भाषाई विवाद खड़ा करना बेहद ख़तरनाक है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपको आपके कार्यक्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को आज रोजगार मिलने की संभावना है, जिससे उनके आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आज आप अपने कर्तव्य को अच्छे से निभाएंगे , जिससे घर में सब खुश होंगें। आज आपके शारीरिक कष्टों का निवारण होगा , जिससे आपको अच्छा महसूस होगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए लाभप्रद रहेगा। आज आपको व्यापार में अचानक बड़ा धन लाभ होगा , जिससे भौतिक सुख सुविधा में बढ़ोत्तरी होगी। आज आपके दाम्पत्य रिश्तों में सुधार होगा , जीवन में नयापन आएगा। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है , उनको हायर एडुकेशन के लिए आज एडमिशन मिलने की संभावना है।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। जो लोग प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करना चाहते है ,आज उनको बढ़िया ऑफर मिलेगा। महिलायें आज घर को सजाने – सवांरने का काम करेंगी , इस काम में बच्चे उनकी मदद करेंगें। आज आपको घर में किसी बड़ी जिम्मेदारी को निभाने का अवसर प्राप्त होगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आप सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर सकते है। आज आप लोगो को रोजगार में तरक्की के नए अवसर प्राप्त होंगें। आज का दिन लवमेट के लिए ख़ुशी देने वाला होगा, पारिवारिक सहयोग मिलेगा। आज आप काम को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे , जिसमें आपको सफलता मिलेगी। शादीशुदा रिश्तों में मन–मुटाव दूर होगा, घर में रौनक बनी रहेगी।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिये मिला – जुला रहेगा। व्यापार में धन लाभ होने के साथ – साथ खर्च की अधिकता रहेगी। आज आपको स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या से राहत मिलेगी , जिससे आज आप खुद को बेहतर महसूस करेंगें। छात्रों को आज स्कूल में होने वाली प्रतियोगिता मे शामिल होने का बेहतरीन अवसर प्राप्त होगा। लवमेट आज एक – दूसरे का ध्यान रखें और अपने रिश्ते पर विश्वास कायम रखें, जिससे आप लोग खुश रहें।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आपमें एक नयी उर्जा का अहसास होगा, जिससे आप आलस्य का त्याग करके दिनचर्या से जुड़े सारे काम बखूबी करेंगें। घर से बाहर रहकर पढ़ने – लिखने वाले बच्चों को पेरेंट्स का सहयोग बना रहेगा , जिससे वो बेफिक्र होकर अपनी पढाई करेंगे। दाम्पत्य जीवन खुशहाल बना रहेगा , बड़ो का आशीर्वाद प्राप्त होगा। जरूरतमंद मित्र की आज आप मदद करेंगे , जिससे आपकी मित्रता और प्रगाढ़ होगी।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको व्यापार में बड़ा धन लाभ होगा, पारिवारिक माहौल सुखमय बना रहेगा। आज आप शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने का विचार कर सकते हैं, इसके लिए आप किसी प्रोफेशनल व्यक्ति की सलाह भी ले सकते हैं। आज आप ऐसे व्यक्तियों से दूरी बनाकर रखें, जो आपके सामने कुछ और पीठ पीछे कुछ और हैं। आज आपके घर मांगलिक प्रोग्राम की शुरुआत होगी। आज आपको राजनीति से जुड़े व्यक्ति से मिलने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको मेहनत का फल अवश्य प्राप्त होगा , जिससे आपका आत्मविश्वास दृढ होगा। आज आप दोस्तों के साथ अच्छा टाइम स्पेंड करेंगें , आपको ख़ुशी मिलेगी। आज बच्चे किसी चीज को लेकर आपसे जिद कर सकते है। आज आप सामाजिक क्रिया – कलापों में व्यस्त रहेंगें , जिससे आपको कुछ चीजें करीब से देखने का मौका मिलेगा। अविवाहित व्यक्तियों को आज विवाह का प्रस्ताव मिल सकता है।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपको बिजनेस में अच्छी डील मिलेगी , जिससे आपके बिजनेस को बढ़िया लाभ होगा। पारिवारिक माहौल खुशनुमा बना रहेगा , जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। घर से बाहर रह रहे व्यक्तियों को आज घर जाने का मौका मिलेगा। सामाजिक तौर पर कार्यरत व्यक्तियों को आज समाज के भिन्न – भिन्न वर्गों के लोगो से मिलने का मौका मिलेगा। आज आप बच्चों के साथ खूब इंजॉय करेंगें, बाहर खाने पर भी बच्चों को ले जा सकते है।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए मिला – जुला रहेगा। आज आप सुबह की सैर करने जा सकते हैं, जिससे आज आप पूरा दिन उर्जावान बने रहेंगें। ऑफिस में आज आपकी सहकर्मी के साथ काम को लेकर कुछ विशेष बात हो सकती है, सब लोग मिलकर अच्छे से काम करेंगें। जीवनसाथी के साथ आज आप शाम को डिनर पर जायेंगें , आपके रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिये शानदार रहेगा। आज आपको पार्टनरशिप में किसी बिजनेस का ऑफर मिल सकता है, जिसमें आपको बढ़िया धन लाभ होगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा, बच्चों से स्नेह मिलेगा। रोजगार में तरक्की के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगें, जिससे भौतिक सुख की प्राप्ति होगी। कला जगत से जुड़े हुए व्यक्तियों आज कला को निखारने का बढ़िया मौका मिलेगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको व्यापार में बढ़िया धन लाभ होगा , जिससे आपके बिजनेस को ग्रोथ मिलेगी। छात्र जीवन से जुडी समस्याओं का समाधान होगा , जिससे वो पढ़ाई में बढ़िया परफोर्म करेंगें। लंबे समय से चल रही किसी समस्या का समाधान होगा , जिससे मन का बोझ हल्का होगा।

आपातकाल का काला अध्याय : एक त्रासद स्मृति

अर्जुन राम मेघवाल

पचास वर्ष पूर्व, 25 जून 1975 का दिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दिन था जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर देश में आपातकाल की घोषणा की, जिसने देश के संविधान की आत्मा को कुचल कर रख दिया। इसके बाद देश में आपातकाल के 21 महीनों ने भारतवासियों की लोकतंत्र, सरकार और संवैधानिक विरासत की समझ को पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया। यह वह क्षण था जब "लोकतंत्र की जननी" कहे जाने वाले भारत को तत्कालीन तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण और क्रूर निर्णय से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने श्रीमती गांधी को 1971 के लोकसभा चुनाव में गड़बड़ी करने का दोषी ठहराते हुए उनका लोकसभा के लिए निर्वाचन अमान्य घोषित कर दिया था। इसके बाद श्रीमती गांधी के इस्तीफे की मांग बढ़ती गई और इसी बीच इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 की रात तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को एक सादे कागज पर (बिना कैबिनेट की सहमति और आधिकारिक लेटरहेड के) अनुच्छेद 352 के तहत "आंतरिक अशांति" के आधार पर देश में आपातकाल लागू करने की सिफारिश कर दी। यह देश की संवैधानिक शासन व्यवस्था पर सीधा प्रहार था। अगले दिन 26 जून 1975 को सुबह 6 बजे कैबिनेट की बैठक में यह विषय औपचारिक रूप से प्रस्तुत किया गया। इस कदम से देश में कांग्रेस के तानाशाही शासन की शुरुआत हुई। जनता को संविधान से मिली आजादी रातों-रात समाप्त कर दी गई। अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संगठन बनाने और देश के भीतर आने-जाने की स्वतंत्रता एक झटके में खत्म कर दी गई। जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देने वाला अनुच्छेद 21 निरर्थक हो गया। सबसे दुखद यह था कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के जिस अनुच्छेद 32-जो नागरिकों को न्यायालय जाने का अधिकार देता है— को संविधान की "आत्मा" कहा था, उसे भी निरस्त कर दिया गया। आपातकाल के दमनचक्र के पहले शिकार वे विपक्षी नेता बने जिन्होंने सरकार की नीतियों का विरोध किया था। हजारों लोगों को कठोर मीसा(मेंटिनेंस ऑफ इंटरनल सेक्युरिटी एक्ट) और भारत रक्षा अधिनियम (डिफेंस ऑफ इंडिया एक्ट) के तहत जेल में डाला गया, इसके बाद धीरे-धीरे देश का हर नागरिक देश पर थोपे गए आपातकाल के इस काले अध्याय के घावों का अनुभव करने लगा था। इस कालखंड में देश की लोकतात्रिंक व्यवस्था के तीन स्तंभ कहे जाने वाले कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पर अभूतपूर्व हमला हुआ। इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण निर्णयों के दंश आज भी देश की जनता के मानस पटल पर एक भयावह स्मृति के रूप में अंकित हैं। मेरे 90 वर्षीय दादा जी को उसी दौर में अपने रोज़मर्रा के काम के दौरान गायों की देखभाल करते हुए ऊंगली में गहरी चोट लग गई थी जिसके इलाज के लिए उन्हें बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन अस्पताल में उन्हें पता चला कि नसबंदी लक्ष्यों को पूरा करने के सरकारी दबाव के चलते डॉक्टर उन्हें जबरदस्ती नसबंदी के लिए तैयार कर रहे हैं। इस अमानवीय स्थिति को भांपते हुए मेरे दादा जी अस्पताल से भाग निकले और बिना इलाज के वापस लौट गए। इस प्रकार जनता को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले अस्पताल भयावह कष्ट देने वाले केन्द्र के रूप में बदल गए थे। हालांकि वे बच गए, लेकिन उस भयावह अनुभव ने पूरे समुदाय को गहरे डर और सदमे से भर दिया था। दुर्भाग्यवश 1975 से 1977 के बीच एक करोड़ से अधिक लोगों की जबरन नसबंदी करा दी गई- यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे शर्मनाक अध्याय बन गया। उस काले दौर में प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग केवल एक परिवार के हित में किस हद तक किया गया, इसका सबसे बड़ा उदाहरण 24 मार्च 1976 को संजय गांधी की बीकानेर यात्रा थी। न तो उनके पास कोई संवैधानिक पद था, न ही वे राजकीय अतिथि थे, फिर भी उनके स्वागत में सरकारी संसाधनों की खुलकर बर्बादी की गई। उस समय मैं डाक एवं तार विभाग में टेलीफोन ऑपरेटर था और मुझे यह जानकर घोर आश्चर्य हुआ कि रैली में विशिष्ट लोगों के लिए बनाए गए मंच के नीचे अस्थायी टेलीफोन कनेक्शन लगाने के आदेश दिए गए—जबकि ऐसी व्यवस्था केवल प्रधानमंत्री के लिए की जाती है। यह घटना सरकारी तंत्र पर संजय गांधी के न केवल अनुचित प्रभाव को दर्शाती है, बल्कि यह बताती है कि कैसे तत्कालीन सरकारी तंत्र को व्यक्तिगत और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति हेतु काम करने के लिए विवश कर दिया गया था। ऐसे दौर में जबकि सामान्य जनता के मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे, तब जनता के पैसों से किए गए ऐसे दिखावे संविधान की गरिमा के प्रति घोर उपेक्षा और सरकार के नैतिक पतन को दर्शाते हैं। वह भारत में लोकतंत्र के हनन का सबसे बुरा दौर था। आपातकाल के दौरान संविधान में सरकार के तानाशाही रवैये की पुष्टि करने वाले संशोधन किए गए जिससे लोकतंत्र की आत्मा को गहरी चोट पहुंची और लोकतांत्रिक व्यवस्था के विभिन्न अंगों के बीच असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हुई। संविधान में 38वां संशोधन करके आपातकाल की घोषणा की समीक्षा करने में न्यायालय की भूमिका समाप्त कर दी गई तथा अध्यादेश जारी करने के मामले में राष्ट्रपति व राज्यपाल के अधिकार बढ़ा दिए गए। इसके तुरंत बाद 10 अगस्त 1975 को लागू किए गए 39वें संविधान संशोधन द्वारा से न्यायालयों को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं लोकसभा अध्यक्ष जैसे उच्च पदों से जुड़े चुनावी मामलों की न्यायिक समीक्षा करने से रोक दिया गया। यह इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा प्रधानमंत्री के विरूद्ध दिए गए निर्णय के बाद श्रीमती गांधी को न्यायालय के प्रति जबावदेही से बचाने की एक सोची-समझी चाल थी। ऐसा करके न्यायपालिका की स्वतंत्रता को जानबूझकर कुचला गया। इस संविधान संशोधन के बाद 'ए.डी.एम. जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्ला' के मामले की काफी चर्चा हुई थी जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को निलंबित करने के निर्णय को सही ठहराया था। उस मामले में न्यायमूर्ति एच.आर. खन्ना ही अकेले न्यायाधीश थे जिन्होंने उस निर्णय से अपनी असहमति जताई थी और नागरिक स्वतंत्रता का समर्थन किया था। बाद में श्री खन्ना को वरिष्ठतम होने के बावजूद भारत का मुख्य न्यायाधीश नहीं बनाया गया और ऐसा करना न्यायपालिका की गरिमा पर सीधा प्रहार था। आपातकाल के दौरान श्रीमती गांधी की सत्तालोलुपता का एक दूसरा उदाहरण 42वें संविधान संशोधन करना था जिसके माध्यम से लोकसभा का कार्यकाल पाँच वर्ष से बढ़ाकर छह वर्ष कर दिया गया।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ब्रिजटाउन टेस्टः पहले दिन गिरे 14 विकेट, ऑस्ट्रेलिया 180 पर ढेर, वेस्टइंडीज भी संकट में

ब्रिजटाउन। वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट के पहले दिन गुरुवार (भारतीय समयानुसार) को ऑस्ट्रेलिया को सिर्फ 180 रनों पर समेट दिया, लेकिन केंसिंग्टन ओवल की पिच की चुनौती का अंदाजा उसे तब हुआ जब दिन के अंत तक उसने खुद 4 विकेट गंवा दिए। स्टंप्स तक वेस्टइंडीज का स्कोर 57/4 रहा, जहां डेब्यू कर रहे ब्रैंडन किंग 23 रन बनाकर नाबाद हैं। हालांकि किंग के लिए दिन मिश्रित रहा, क्योंकि उन्होंने फील्डिंग में तीन कैच छोड़े, लेकिन अंत में बल्लेबाजी में संभलने की कोशिश की।

शामार जोसेफ और सील्स की घातक गेंदबाज़ी- वेस्टइंडीज के लिए सबसे प्रभावशाली गेंदबाज़ शामार जोसेफ रहे, जिन्होंने 46 रन देकर 4 विकेट झटके। वहीं जयडेन सील्स ने 60 रन देकर 5 विकेट लिए, जो कि उनके टेस्ट करियर का तीसरा पांच विकेट हॉल रहा। दिलचस्प बात यह है कि उनके 34 टेस्ट विकेटों में से 17 ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में महज़ 56.1 ओवर में सिमट गई — यह वेस्टइंडीज की ज़मीन पर ऑस्ट्रेलिया का सबसे कम स्कोर है जब उन्होंने पहले बल्लेबाज़ी की हो।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों का फ्लॉप शो- ऑस्ट्रेलिया की ओर से केवल तीन बल्लेबाज़ ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके — ट्रैविस हेड (59), उस्मान ख्वाजा (47) और कप्तान पैट कमिंस (28)। पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का फैसला किया, लेकिन पिच पर तेज़ गेंदबाज़ों को जबरदस्त मदद मिली — सीम, स्विंग और कई बार गेंद नीची रही। दिन के कुल 14 विकेटों में से 10 विकेट कैच के जरिए गिरे।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले घंटे में ही 3 विकेट गंवा दिए थे। मार्नस लाबुशेन की जगह उतरे सैम कॉन्स्टास सिर्फ 3 रन बनाकर जोसेफ की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। जोसेफ ने इसके बाद कैमरून ग्रीन को भी चलता किया, जिन्हें गली में किंग ने जीवनदान देने के बाद स्लिप में आउट कर दिया।

ख्वाजा और हेड की साझेदारी बनी सहारा- ख्वाजा और हेड ने मिलकर पारी को थोड़ा संभाला और लंच के बाद 89 रनों की साझेदारी की। हेड ने 57 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, लेकिन ख्वाजा 128 गेंदों पर 47 रन बनाकर आउट हुए।n जोसेफ ने एक समय 12 ओवर में 4 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को झकझोर दिया।

शाई होप की टेस्ट में वापसी- चार साल बाद टेस्ट में वापसी कर रहे विकेटकीपर शाई होप ने चार कैच लपके। उन्होंने जोश इंग्लिस का कैच लेकर अपना खाता खोला।

वेस्टइंडीज की शुरुआत भी लड़खड़ाई- जवाब में वेस्टइंडीज की शुरुआत भी खराब रही। मिचेल स्टार्क ने कप्तान क्रैग ब्रैथवेट (4) और जॉन कैंपबेल (7) को आउट किया।कमिंस ने कीसी कार्टी (20) को पवेलियन भेजा जबकि जोश हेज़लवुड ने नाइटवॉचमैन जोमेल वोरिकन को शून्य पर आउट कर दिया। इसके बाद कप्तान रोस्टन चेस और ब्रैंडन किंग ने अंतिम 3.1 ओवर बिना विकेट गंवाए खेल लिए। चेस 1 रन पर नाबाद हैं।

अब तक का स्कोरः

ऑस्ट्रेलिया पहली पारीः 180 ऑलआउट (ट्रैविस हेड 59, ख्वाजा 47; सील्स 5/60, जोसेफ 4/46)

वेस्टइंडीज पहली पारीः 57/4 (ब्रैंडन किंग 23*, चेस 1*; स्टार्क 2/15)

सूर्यकुमार यादव की जर्मनी में सफल स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी, जल्द शुरू करेंगे रिहैबिलिटेशन

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने जर्मनी के म्यूनिख शहर में अपने निचले दाहिने पेट में स्पोर्ट्स हर्निया की सफल सर्जरी करवाई है। यह जानकारी खुद सूर्यकुमार ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया के ज़रिए साझा की। सूर्या ने अपने पोस्ट में लिखा, "लाइफ अपडेटः निचले दाहिने पेट में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाई है। सर्जरी सफल रही और अब मैं रिकवरी की राह पर हूं। जल्द वापसी करने के लिए उत्साहित हूं,"। स्पोर्ट्स हर्निया एक प्रकार की मांसपेशीय चोट होती है, जो ग्रोइन या निचले पेट के आसपास के मांसपेशियों, टेंडन या लिगामेंट्स को प्रभावित करती है। बीसीसीआई से मिली जानकारी के अनुसार, सर्जरी के करीब दो सप्ताह बाद सूर्यकुमार बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैबिलिटेशन शुरू करेंगे।

तीसरी बार सर्जरी, फिर भी फॉर्म में रहे सूर्य- यह सूर्यकुमार की पिछले तीन सालों में तीसरी सर्जरी है। इससे पहले 2023 में उनके टखने की सर्जरी हुई थी और 2024 में उन्होंने इसी स्पोर्ट्स हर्निया का इलाज करवाया था। बावजूद इसके, उन्होंने हाल ही में आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए जबरदस्त प्रदर्शन किया और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। सूर्यकुमार ने इस सीज़न में 717 रन बनाए, जो केवल ऑरेंज कैप विजेता साई सुदर्शन (759 रन) से पीछे थे। मुंबई इंडियंस प्लेऑफ तक पहुंची, लेकिन क्वालिफायर 2 में पंजाब किंग्स से हार गई। इसके बाद खेले गए टी20 मुंबई लीग में उन्होंने ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट की कप्तानी की और पांच पारियों में 122 रन बनाए।

बांग्लादेश दौरे से करेंगे वापस- भारत का अगला सीमित ओवरों का दौरा अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ है, जिसमें तीन वनडे और तीन टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। सूर्यकुमार के 26 अगस्त को चटगांव में होने वाले पहले टी20 मैच से टीम की अगुवाई करते हुए वापसी की उम्मीद है।

जिम्बाब्वे महिला टीम पहली बार खेलेगी आईसीसी महिला चैंपियनशिप, न्यूज़ीलैंड दौरे से होगा आगाज़

हरारे। जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम इतिहास रचने के लिए तैयार है। पहली बार आईसीसी महिला चैंपियनशिप में हिस्सा लेने जा रही जिम्बाब्वे की टीम अगले साल फरवरी-मार्च 2026 में न्यूज़ीलैंड दौरे पर जाएगी, जहां वह तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। यह मुकाबले जिम्बाब्वे की महिला चैंपियनशिप में आधिकारिक शुरुआत होंगे। तीन वनडे मैच 5, 8 और 11 मार्च को डुनेडिन में खेले जाएंगे। इससे पहले दोनों टीमों के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 25 फरवरी, 27 फरवरी और 1 मार्च को हैमिल्टन में होंगे। यह टी20 मुकाबले भी दोनों टीमों के बीच पहले आधिकारिक महिला टी20 मुकाबले होंगे। आईसीसी महिला चैंपियनशिप 2025-29 चक्र में जिम्बाब्वे की टीम को कुल आठ श्रृंखलाएं खेलनी हैं—चार घर में और चार विदेश में। जिम्बाब्वे घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका, वेस्ट इंडीज, श्रीलंका और आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी, जबकि विदेशी दौरे भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूज़ीलैंड के होंगे।

महिला विश्व कप 2029 की राह- यह चैंपियनशिप 2029 में होने वाले महिला वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का मुख्य रास्ता है। 2025-29 का यह चक्र आईसीसी महिला चैंपियनशिप का चौथा संस्करण है। जिम्बाब्वे की इस प्रतियोगिता में एंट्री के बाद अब इसमें 11 टीमें हिस्सा ले रही हैं। अब तक जिम्बाब्वे

महिला टीम ने छह टीमों के खिलाफ वनडे मुकाबले खेले हैं, जिनमें से बांग्लादेश, आयरलैंड और पाकिस्तान आईसीसी के पूर्ण सदस्य हैं।

जिम्बाब्वे क्रिकेट ने जताया गर्व- जिम्बाब्वे क्रिकेट (जेडसी) के प्रबंध निदेशक गिवेमोर माकोनी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "यह हमारे लिए गर्व और रोमांच का क्षण है कि जिम्बाब्वे महिला टीम अब वैश्विक स्तर पर शीर्ष क्रिकेट में कदम रख रही है। यह इस बात का प्रमाण है कि हमारी महिला क्रिकेट कितनी आगे बढ़ी है और यह हमारे विजन और निवेश की भी पुष्टि करता है।"

अफगानिस्तान एकमात्र अपवाद- जिम्बाब्वे के शामिल होने के साथ ही महिला चैंपियनशिप में अब आईसीसी के 12 में से 11 पूर्ण सदस्य देश हिस्सा ले रहे हैं। केवल अफगानिस्तान इस प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं है, जहां अगस्त 2021 में तालिबान शासन के आने के बाद महिला क्रिकेट कार्यक्रम को बंद कर दिया गया था।

मांजरेकर और पनेसर बोले, शार्दुल की जगह कुलदीप को शामिल करें

लीड्स। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर के साथ ही इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने कहा है कि भारतीय टीम को बर्मिंघम में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की जगह चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल करना चाहिये। मांजरेकर का मानना है कि शार्दुल का प्रदर्शन पहले टेस्ट में अच्छा नहीं रहा। वहीं कुलदीप दूसरे मैच में उपयोग साबित हो सकते हैं क्योंकि उनकी गेंदबाजी में विविधता है। लीड्स में जसप्रीत बुमराह के अलावा अन्य भारतीय गेंदबाज प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाये। मांजरेकर ने कहा, "मुझे लगता है कि कुलदीप को टीम में जगह मिलनी चाहिये। मुझे यह कहते हुए दुख है पर शार्दुल को बाहर जाना

होगा। यह एक बदलाव है जो भारत को करना होगा। नितीश कुमार रेड्डी ऑस्ट्रेलिया में उनके प्रदर्शन के आधार पर पहले टेस्ट के लिए रखा गया था पर अंत में शार्दुल को जगह मिल गयी।" वहीं इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने भी टीम में बदलाव की जरुरत बतायी। पनेसर ने कहा, ''एजबेस्टन में भारत रविंद्र जडेजा के साथ अंतिम एकादश में कुलदीप यादव को एक्स फैक्टर के रूप में टीम में शामिल कर सकता है। इसका कारण ये है कि एजबेस्टन का विकेट थोड़ा टर्न लेता है। ऐसे में मुझे लगता है कि कुलदीप को रखना अच्छा रहेगा। हमने आईपीएल के दौरान देखा कि विकेट से खास टर्न नहीं मिलने के बाद भी उसने बल्लेबाजों को परेशानी में डाला था।''

पनेसर ने साथ ही कहा, ''अगर शार्दुल ठाकुर केवल छह से आठ ओवर ही गेंदबाजी करेंगे और पूरे दिन में 15 ओवर भी नहीं कर पाएंगे तो उन्हें टीम में रखने का कोई मतलब नहीं है। मुझे लगता है कि उन्हें कुलदीप को टीम में रखने की जरूरत है, क्योंकि उनमें एक्स फैक्टर ज्यादा है। उनमें कुछ खास बात है। वहीं अगर आपको टीम में एक ही स्पिनर रखना है तो फिर जडेजा की जगह कुलदीप को अंतिम एकादश में रखना चाहिए।''

बुमराह को लेकर हमारी नीति नहीं बदली : गंभीर

लीड्स। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लेकर उनकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है और तय कार्यक्रम के अनुसार उन्हें आराम दिया जाएगा। गंभीर ने कहा पहले टेस्ट में टीम की हार को देखते हुए बुमराह को अधिक मैच खेलने को नहीं कहा जाएगा। इस सीरीज से पहले कहा गया था कि वह तीन टेस्ट खेलेंगे और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। बुमराह ही पहले टेस्ट में पांच विकेट लेकर प्रभावी रहे थे, ऐसे में अटकलें लगायी जा रहीं थीं कि अब उन्हें लगातार खेलने को कहा जा सकता है । गौरतलब है कि बुमराह अपने करियर के दौरान चोटों से जूझते रहे हैं और यही वजह है कि उनके कार्यभार प्रबंधन के तहत टीम प्रबंधन ने उन्हें पांच में से तीन टेस्ट मैचों में खिलाने का फैसला किया था। गंभीर ने कहा

कि अब भी ये योजना नहीं बदली है। साथ ही कहा कि हमारे लिए बुमराह का फिट रहना ज्यादा जरुरी है क्योंकि आगे काफी क्रिकेट खेलना है और हम जानते हैं कि वह क्या कर सकते हैं। सीरीज शुरू होने से पहले ही यह तय कर दिया गया था कि वह तीन टेस्ट मैच खेलेंगे और यही होगा। दूसरा टेस्ट मैच बर्मिंघम में दो जुलाई से शुरू होगा लेकिन गंभीर ने कहा कि टीम ने अभी तक यह फैसला नहीं किया है कि पांच मैचों की सीरीज में बुमराह अब किन दो मैचों में खेलेंगे। उन्होंने कहा, 'हमने अभी तय नहीं किया है कि वह कौन से दो अन्य टेस्ट मैच खेलेंगे।

व्यापार

लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स में 1,000 अंक की तेजी

नई दिल्ली। जियो-पॉलिटिकल टेंशन कम होने और मजबूत ग्लोबल संकेतों के कारण घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही शुरुआती मिनट में बिकवाली का मामूली दबाव भी बना, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया। सुबह 10 बजे के बाद बिकवालों ने एक बार फिर दबाव बनाने की कोशिश की लेकिन दोपहर 1 बजे के बाद चौतरफा खरीदारी शुरू हो गई। इस खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार लगभग सवा प्रतिशत उछल गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 1.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान एनर्जी, बैंकिंग और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में जम कर लिवाली होती रही। इसके अलावा मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थ केयर और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी सेक्टर में आज बिकवाली का दबाव बना हुआ नजर आया। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.12 की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 457.45 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 454.01 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.44 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,153 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,097 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,900 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 156 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव

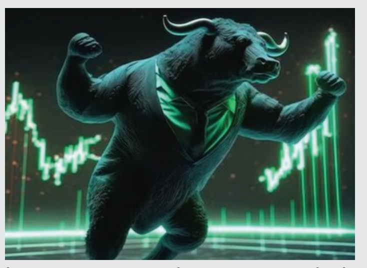

के बंद हुए। एनएसई में आज 2,600 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,337 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान और 1,263 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर बढ़त के साथ और 9 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 42 शेयर हरे निशान में और 8 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 127.41 अंक की मजबूती के साथ 82,882.92 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही शुरुआती मिनट में बिकवाली का मामूली दबाव बनने के कारण ये सूचकांक 82,816.26 अंक तक गिरा। इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिससे सुबह 10 बजे तक ये सूचकांक 83,304.55 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। इस स्तर तक पहुंचने के बाद सेंसेक्स को एक बार फिर बिकवाली के दबाव का सामना करना पड़ा, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट भी आई। दोपहर 1 बजे के बाद खरीदारों ने एक बार फिर आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी, जिससे ये सूचकांक 1,056.58 अंक उछल कर 83,812.09 अंक के स्तर तक आ गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई मामूली बिकवाली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 56.22 अंक फिसल कर 1,000.36 अंक की मजबूती के साथ 83,755.87 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने भी आज 24.20 अंक उछल कर 25,268.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली के हल्के झटकों के कारण ये सूचकांक फिसल कर 25,259.90 अंक तक आ गया।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन गिरावट का रुख बना हुआ है। सोने के भाव में आज 240 रुपये से लेकर 260 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आ गई। इसी तरह चांदी भी आज 900 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,950 रुपये से लेकर 99,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,700 रुपये से लेकर 90,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,08,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 99,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,850 रुपये

प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,950 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,700 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 99,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है जबकि 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 98,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 90,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

डीपीआईआईटी ने पांच राज्यों में 11 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले मुद्दों की समीक्षा की

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने पांच राज्यों झारखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम और नगालैंड में 11 प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले 18 मुद्दों की समीक्षा की है। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग ने गुरुवार को जारी बयान में बताया कि डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप भाटिया की अध्यक्षता में 24 जून को हुई बैठक में केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और परियोजना प्रस्तावकों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस समीक्षा बैठक में झारखंड राज्य में 11 महत्वपूर्ण परियोजनाओं के 18 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिसमें सभी परियोजनाओं की कुल लागत 34,213 करोड़ रुपये से अधिक है। मंत्रालय के मुताबिक बैठक में सिक्किम राज्य में 02 परियोजनाओं के 02 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिसमें कुल 943.04 करोड़ रुपये की लागत है। नागालैंड राज्य में 02 परियोजनाओं के 03 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिसमें कुल 544.65 करोड़ रुपये की लागत है। वहीं, असम राज्य में 01 मुद्दे और 01 परियोजना की समीक्षा की गई, जिसमें कुल 6,700 करोड़ रुपये की लागत है। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश राज्य में 01 निजी परियोजना सहित 03 परियोजनाओं के 07 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिसमें कुल 33,469

करोड़ रुपये की लागत है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक झारखंड राज्य से संबंधित पतरातू थर्मल पावर स्टेशन विस्तार परियोजना के पहले चरण की व्यापक समीक्षा की गई। इसमें कहा गया कि अरुणाचल प्रदेश में जियोएनप्रो पेट्रोलियम लिमिटेड की 1,000 करोड़ रुपये की लागत वाली निजी क्षेत्र की परियोजना से जुड़े मुद्दों की भी समीक्षा की गई। डीपीआईआईटी सचिव ने राज्य सरकार को मामले को उच्च प्राथमिकता देने तथा परियोजना से संबंधित मुद्दों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए जियोएनप्रो को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने की सलाह दी है।

पॉपुलर स्कूटर स्कूपी को एक बार फिर भारत में कराया पेटेंट

नई दिल्ली। अपनी पॉपुलर स्कूटर स्कूपी को होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने एक बार फिर भारत में पेटेंट कराया है। यही वजह है कि इसके लॉन्च की अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि कंपनी ने फिलहाल कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन पेटेंट कराना इस बात का संकेत है कि होंडा अपने इस रेट्रो लुक वाले स्कूटर को लेकर भारत में गंभीर है और इसके डिज़ाइन अधिकारों को सुरक्षित करना चाहती है। होंडा स्कूपी अपने आकर्षक रेट्रो-मॉडर्न डिज़ाइन के लिए पहचानी जाती है। गोल हेडलाइट, एलईडी इंडिकेटर, स्लीक बॉडी पैनल और यूनिक टेललैंप इसे खास बनाते हैं। इसमें 109.5सीसी का एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो करीब 9बीएचपी की पावर

है। सीवीटी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ यह इंजन ट्रैफिक में स्मूद राइडिंग और अच्छा माइलेज देने में सक्षम है। इस स्कूटर में एलईडी हेडलाइट, एलसीडी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, स्मार्ट की, एंटी-थेफ्ट अलार्म, फ्रंट डिस्क और रियर ड्रम ब्रेक, टेलीस्कोपिक फ्रंट फोर्क और

प्रीमियम फीचर्स मिलते हैं, जो इसे सेगमेंट में मजबूती से खड़ा करते हैं। भारत में यदि स्कूपी लॉन्च होती है तो इसका मुकाबला यामाहा फसीनो, सुजुकी एक्सेस 125 और वेस्पा एस जैसे स्टाइलिश स्कूटर्स से होगा। हालांकि यह भी मुमकिन है कि कंपनी सिर्फ अपने डिज़ाइन अधिकारों की

रुपया 21 पैसे मजबूत होकर 85.87 डॉलर पर

मुंबई। वैश्विक बाजारों में डॉलर के कमजोर रुख के बीच रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 21 पैसे मजबूत होकर 85.87 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने हालांकि कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और विदेशी पूंजी की निकासी ने स्थानीय इकाई में तेज बढ़त को रोक दिया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.91 पर खुला। फिर 85.87 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को तीन पैसे की गिरावट के साथ 86.08 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 97.41 पर आ गया।

- रुपया बुधवार को तीन पैसे गिरकर 86.08 डॉलर पर बंद हुआ था

'सन ऑफ सरदार-2' का टीजर रिलीज, 25 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी

'रेड-2' की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद अजय देवगन अब एक और बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' में नजर आने वाले हैं। दर्शक इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे और अब उनकी उत्सुकता और भी बढ़ गई है, क्योंकि मेकर्स ने हाल ही में फिल्म का पहला वीडियो टीज़र रिलीज कर दिया है। इस वीडियो में अजय देवगन एक बार फिर अपने लोकप्रिय किरदार जस्सी रंधावा के रूप में जबरदस्त अंदाज में लौटते नजर आ रहे हैं। साथ ही इसमें कई और सितारों की झलक भी देखने को मिलती है, जो इस बार की कहानी को और भी दमदार बनाने वाले हैं। 'सन ऑफ सरदार-2' अब 25 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। एक्शन, ड्रामा और पंजाबी तड़के से भरपूर इस फिल्म से एक बार फिर अजय देवगन फुल ऑन एंटरटेनमेंट देने के लिए तैयार हैं। 'सन ऑफ सरदार-2' में इस बार अजय देवगन के साथ एक नई जोड़ी बनी है, मृणाल ठाकुर की। यह पहली बार है जब ये दोनों सितारे स्क्रीन शेयर कर रहे हैं। वहीं, पंजाबी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस नीरू बाजवा भी फिल्म का हिस्सा हैं, जो कहानी में एक खास भूमिका निभाती नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में रवि किशन, कुब्रा सेठ, संजय मिश्रा, दीपक डोबरियाल, विंदू दारा सिंह, मुकुल देव और चंकी पांडे जैसे दमदार कलाकार भी शामिल हैं। हाल ही में रिलीज किए गए पोस्टर में इन सभी सितारों की झलक देखने को मिली है, जिससे फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। फिल्म का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है, जो इससे पहले कई सफल पंजाबी फिल्में बना चुके हैं। खास बात यह है कि अजय देवगन इस फिल्म के सह-निर्माता की भूमिका भी निभा रहे हैं।

'वॉर 2' का नया पोस्टर रिलीज, ऋतिक और एनटीआर के साथ कियारा भी दिखीं एक्शन मूड में

काफी समय से बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वॉर 2' को लेकर जोरों पर चर्चा है। एक्शन से भरपूर इस फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं और यह फिल्म यश राज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स का अहम हिस्सा मानी जा रही है। अब फिल्म का पोस्टर सामने आ गया है।

इस फिल्म से साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर पहली बार बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री कर रहे हैं। वहीं, ऋतिक रोशन एक बार फिर अपने जबरदस्त एक्शन अवतार में नजर आएंगे। खास बात यह है कि इस बार ऋतिक के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी कियारा आडवाणी। फिल्म से ऋतिक, जूनियर एनटीआर और कियारा की नई झलक सामने आई है, जिसने फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है। सभी स्टार्स अपने दमदार लुक और एक्शन रेडी स्टाइल में नजर आ रहे हैं, जो फिल्म की भव्यता और थ्रिल की झलक देता है। फिल्म 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के खास मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'वॉर 2' में ऋतिक एक बार फिर अपने चर्चित किरदार मेजर कबीर के रूप में लौट रहे हैं, वहीं जूनियर एनटीआर बिल्कुल नए और इंटेंस लुक में नजर आने वाले हैं। फिल्म का ट्रेलर पहले ही रिलीज हो चुका है और इसे दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। अब देखना होगा कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कितनी बड़ी हिट साबित होती है।

फिल्म 'सितारे जमीन पर' का जलवा, छह दिनों में 80 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई

आमिर खान अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'सितारे जमीन पर' की जबरदस्त सफलता का जश्न मना रहे हैं। 20 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार प्रदर्शन किया है। फिल्म को रिलीज हुए 6 दिन हो चुके हैं और दर्शकों का क्रेज अब भी कायम है। 'सितारे जमीन पर' ने महज छह दिनों में 80 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है, जो इस साल की सबसे बड़ी हिट्स में से एक बनती जा रही है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक 'सितारे जमीन पर' ने अपनी रिलीज के छठे दिन 7.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब 82.40 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। फिल्म ने पहले दिन 10.7 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली थी। दूसरे दिन इसने 20.2 करोड़ रुपये और तीसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए 27.25 करोड़ रुपये कमाए। चौथे और पांचवें दिन फिल्म ने क्रमशः 8.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। अब सभी की निगाहें इसके पहले हफ्ते की कुल कमाई पर टिकी हैं। आरएस प्रसन्ना के निर्देशन में बनी 'सितारे जमीन पर' का निर्माण आमिर खान ने अपनी पूर्व पत्नी किरण राव के साथ मिलकर किया है। इस फिल्म में पहली बार आमिर की जोड़ी जेनेलिया डिसूजा के साथ बनी है, जिन्होंने गुलशन की पत्नी सुनीता का किरदार निभाया है। आमिर ने फिल्म में एक बदनाम बास्केटबॉल कोच गुलशन की भूमिका निभाई है। फिल्म की कहानी डाउन सिंड्रोम से जूझ रहे बच्चों और उनके जीवन के संघर्षों पर आधारित है, जो दर्शकों को एक भावनात्मक और प्रेरणादायक यात्रा पर ले जाती है।

रश्मिका मंदाना ने नई फिल्म का ऐलान करके फैंस को दिया सरप्राइज

नेशनल क्रश कही जाने वाली रश्मिका मंदाना हाल ही में 'कुबेरा' और 'पुष्पा 2' जैसी सुपरहिट फिल्मों से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। मौजूदा वक्त की बॉक्स ऑफिस क्वीन ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसमें वह एक बेहद पावरफुल और अब तक के सबसे अनोखे अवतार में नजर आएंगी।

रश्मिका मंदाना ने अपने नए पोस्टर के साथ एक दिलचस्प कैप्शन शेयर किया। उन्होंने लिखा, "क्या आप अंदाजा लगा सकते हैं कि मेरी अगली फिल्म का टाइटल क्या है? मुझे नहीं लगता कि कोई इसका सही अनुमान लगा पाएगा... लेकिन अगर किसी ने टाइटल पहचान लिया, तो मैं मिलने का वादा करती हूं!" उनके इस पोस्ट के बाद फैंस के बीच टाइटल का अनुमान लगाने की होड़ सी मच गई है। रश्मिका मंदाना के नए पोस्टर ने फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। पोस्टर में एक घना जंगल दिखाई देता है, जहां एक पेड़ का तना जल रहा है। साथ ही, पोस्टर पर लिखी टैगलाइन "शिकार, घायल और अटूट" फिल्म के इमोशनल और एक्शन से भरपूर टोन का इशारा करती है। फैंस अब बेसब्री से रश्मिका का फुल लुक देखने का इंतजार कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका मंदाना हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'कुबेरा' में नजर आई थीं, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। इस फिल्म में उनके साथ धनुष, नागार्जुन, जिम सर्भ और दलीप ताहिल जैसे सितारों ने अहम किरदार निभाए हैं।

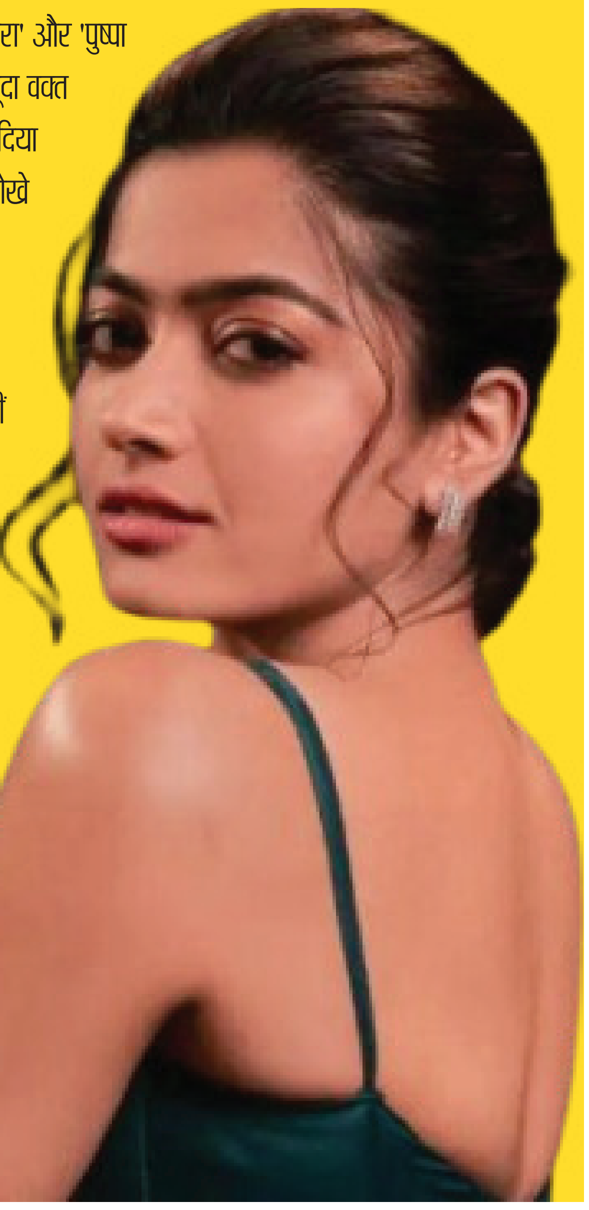

अक्षय के साथ रिश्ता गहरी दोस्ती में बदल चुका है: चित्रांगदा सिंह

हालिया रिलीज फिल्म 'हाउसफुल 5' की सफलता के बीच चित्रांगदा ने अक्षय कुमार के साथ दोबारा काम करने के अनुभव को लेकर अपनी भावनाएं साझा की हैं। चित्रांगदा ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार अक्षय के साथ काम किया था, तब दोनों के बीच एक औपचारिक रिश्ता था। लेकिन अब वह रिश्ता एक गहरी दोस्ती में बदल चुका है। उन्होंने कहा कि अक्षय सेट पर अक्सर शरारतें करते हैं, शायद खुद को बोरियत से बचाने के लिए। उनकी एनर्जी आज भी उतनी ही गजब की है, जितनी पहले थी। उन्होंने बताया कि इस बार काम के दौरान अक्षय उनसे काफी घुल-मिल गए और हर मौके पर मार्गदर्शन करते रहे। चित्रांगदा के मुताबिक, अक्षय व्यक्तिगत और प्रोफेशनल दोनों स्तरों पर बहुत मददगार हैं। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें कभी किसी सलाह की जरूरत हो, तो वह निःसंकोच अक्षय को कॉल कर सकती हैं। सेट पर भी वह हमेशा उनसे सलाह लेती थीं कि कोई सीन कैसे करना है, उसमें कितना भाव डालना है या कितना संयम रखना है। साल 2011 में चित्रांगदा सिंह ने अक्षय कुमार के साथ पहली बार फिल्म 'देसी बॉयज' में स्क्रीन शेयर किया था, जिसमें जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण भी थे। तब की तुलना में अब उनके बीच की बॉन्डिंग कहीं ज्यादा मजबूत हो गई है। 'हाउसफुल 5' का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है और यह फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में दो क्लाइमैक्स देखने को मिलते हैं, जो दर्शकों को चौंका देते हैं। इसे साजिद नाडियाडवाला ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया है। इस फिल्म में अक्षय कुमार और चित्रांगदा के अलावा अभिषेक बच्चन और रितेश देशमुख भी नजर आए हैं। 'हाउसफुल' फ्रेंचाइज़ी की शुरुआत साल 2010 में हुई थी और तब से यह कॉमेडी सीरीज दर्शकों की पसंदीदा बन चुकी है। बता दें कि चित्रांगदा सिंह इन दिनों अपनी फिल्म 'हाउसफुल 5' की जबरदस्त सफलता का आनंद ले रही हैं। फिल्म ने दुनियाभर में अब तक 250 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है, जिससे यह साल की बड़ी हिट्स में शुमार हो गई है।

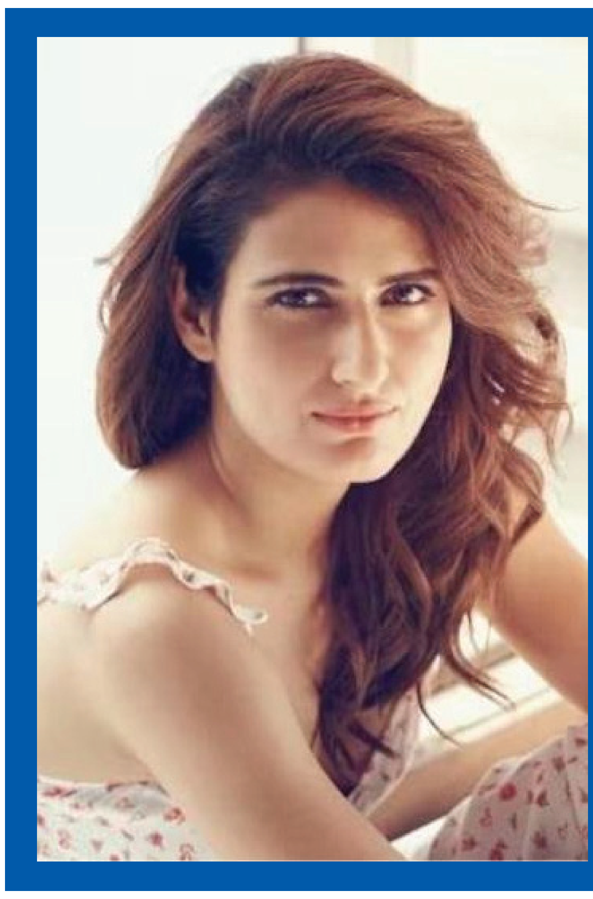

अफेयर की अफवाहों पर एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड की 'दंगल गर्ल' फातिमा सना शेख इन दिनों अपने प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में हैं। अब तक कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखा चुकीं फातिमा जल्द ही 'आप जैसा कोई नहीं' और 'मेट्रो इन दिनों' जैसी फिल्मों में नजर आने वाली हैं। हालांकि, इन दिनों उनकी फिल्मों से ज्यादा उनके अफेयर की खबरें सुर्खियों में हैं। फातिमा का नाम एक्टर विजय वर्मा के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, इस पर एक्ट्रेस ने चुप्पी तोड़ी है। फिलहाल फातिमा सना शेख अपनी अपकमिंग फिल्म 'आप जैसा कोई' के प्रमोशन में जुटी हुई हैं। हाल ही में मुंबई में हुए ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान मीडिया ने जब उनसे उनके रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर सवाल किया तो उन्होंने इन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। एक्ट्रेस ने साफ कहा, ₹मैं सिंगल हूं।₹ इसके बाद जब फातिमा से पूछा गया कि उनके मुताबिक एक सफल रिश्ते की परिभाषा क्या है, तो उन्होंने बड़ी खूबसूरती से जवाब दिया, ₹मेरे लिए एक परफेक्ट रिलेशनशिप वही होता है, जिसमें दोनों एक-दूसरे का सम्मान करें, एक-दूसरे को समझें और साथ मिलकर आगे बढ़ें।₹ उनके इस बयान ने रिश्तों को लेकर उनकी सोच को खूबसूरती से बयां किया। बाद में अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर खुलकर बात करते हुए फातिमा सना शेख ने मुस्कुराते हुए कहा, ₹आजकल अच्छे लड़के मिलना बड़ा मुश्किल हो गया है। वो तो अब सिर्फ फिल्मों में ही नजर आते हैं, असल ज़िंदगी में तो जैसे खो ही गए हैं।₹ फातिमा और विजय वर्मा जल्द ही फिल्म 'गुस्ताख इश्क' में एक साथ नजर आने वाले हैं।

अपने व्यवहार को लेकर ट्रोल हो रहे रितेश देशमुख

सोशल मीडिया पर अभिनेता रितेश देशमुख का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसको लेकर लोग उन्हें ट्रोल कर रहे हैं और उनके व्यवहार पर सवाल उठा रहे हैं। यह वीडियो जेनेलिया डिसूजा की फिल्म 'सितारे जमीन पर' के प्रीमियर के दौरान का है। वीडियो में रितेश देशमुख अपनी पत्नी जेनेलिया का हाथ पकड़े हुए उन्हें भीड़ से निकालते हुए स्क्रीनिंग हॉल की ओर बढ़ रहे हैं। तभी एक युवा फैन उनके पास आता है और सेल्फी लेने की कोशिश करता है। लेकिन रितेश उसे मना कर देते हैं और उसका फोन नीचे कर देते हैं। इसके बाद वह बिना कुछ कहे आगे बढ़ जाते हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि लड़का निराश होकर वहीं खड़ा रह जाता है। जैसे ही यह वीडियो इंटरनेट पर आया, लोगों ने रितेश के इस व्यवहार को 'रूड' बताया और उन्हें घमंडी कहकर आलोचना शुरू कर दी। कई यूजर्स ने लिखा कि उन्हें रितेश से इस तरह की उम्मीद नहीं थी। कुछ लोगों ने तो यह भी कहा कि वह अब रितेश को फॉलो नहीं करेंगे। वहीं, कुछ ने 'हाउसफुल 5' की सफलता के बाद उनके बदले व्यवहार की बात कही। एक यूजर ने लिखा, "पहली बार रितेश का एटीट्यूड अच्छा नहीं लगा।" एक अन्य ने कहा, "अब घमंड आ गया है क्या?" हालांकि, अभी तक रितेश देशमुख की ओर से इस वीडियो या विवाद पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। गौरतलब है कि रितेश देशमुख को अब तक एक विनम्र और दर्शकों के करीब रहने वाले अभिनेता के रूप में जाना जाता रहा है। उनका यह वीडियो उनके उस इमेज से मेल नहीं खा रहा, जिसे उनके फैंस अब तक पसंद करते आए हैं। कुछ यूजर्स ने यह भी माना कि शायद उस वक्त रितेश जल्दबाज़ी में थे या भीड़ से जेनेलिया को सुरक्षित निकालना चाहते थे। फिर भी सोशल मीडिया पर ये वीडियो अब चर्चा का विषय बना हुआ है और लोगों की प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं।

I wanted to become an architect, but became a lawyer due to my father's wish: CJI Gavai

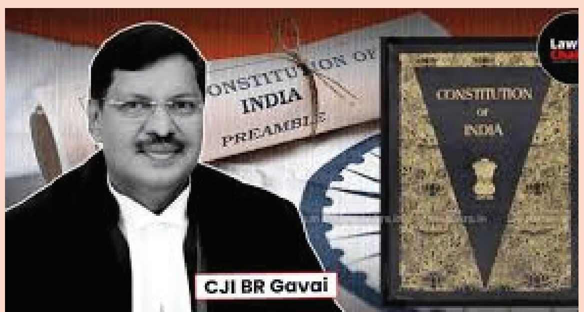

Amravati, Chief Justice of the country BR Gavai was honored by the Lawyers Association in Amravati, Maharashtra. Many big lawyers including family members of Chief Justice Gavai, High Court judges, friends, school teachers attended the ceremony organized on this occasion. During the ceremony, the Chief Justice refreshed old memories. Amravati is the birthplace of Chief Justice BR Gavai. At the ceremony, Chief Justice BR Gavai said, I never wanted to become a lawyer. I always wanted to become an architect. Actually what happened was that my father Dadasaheb was doing LLB but he went to jail during the landless Satyagraha movement. Due to this he could not appear for the examination. After that he became active in full-time politics. So he could not become a lawyer. However, he wanted me to become a lawyer. I became a lawyer on his orders and later reached this place. Today I am happy to follow my father's orders. After becoming the Chief Justice of the country, Chief Justice Bhushan Gavai had made it clear that he would first accept felicitation from his Amravati District Lawyers Association. The Amravati District Lawyers Association felicitated Chief Justice Gavai in the presence of many dignitaries and High Court judges. Former Chief Justice of India Justice N.V. Ramanna, Justice Praveen Patil of Nagpur Bench of Bombay High Court, Justice Anil Kilor attended the felicitation ceremony presided over by Justice Nitin Sambre of Nagpur Bench of Bombay High Court. Chief Justice Gavai said that he had never thought of becoming a judge. He said, when I started practicing law in Nagpur, Manohar sahab was the Advocate General at that time. He inspired me to do LLB. Then after working as a government lawyer for a year, I resigned. Chief Justice Gavai said, in the year 2000, the then Chief Minister Vilasrao Deshmukh advised me to accept the post of government lawyer and go to Nagpur. Then Justice Bobde, who was like an elder brother, showed me the way to become a judge in the High Court and after a lot of efforts, I became a judge. Chief Justice Gavai said, I have been working as a lawyer for 18 years and now as a judge for 22 years. When I became the Chief Justice, many journalists tried to interview me, but I avoided them. He said that there is a very serious issue of forests in the Nagpur region of Vidarbha. My decision in this regard came last month. Justice Bhushan Gavai said that the decision I have given is based on the right to life and the right to security that people who have been living and farming in this area for years cannot be attacked. Chief Justice Gavai said, today I am being honored as the Chief Justice in Amravati. At this time I miss my grandfather a lot. I am happy that my mother is present in this ceremony. All my acquaintances are here in the hall. The friends with whom I studied, the teachers who taught me, are here. On behalf of Amravati District Lawyers Association, the association's president Advocate Sunil Deshmukh and members of his executive committee felicitated Chief Justice Bhushan Gawai's mother Dr. Kamal Gawai. After this, Chief Justice Justice Bhushan Gawai and his wife Dr. Tejaswini were felicitated by the Amravati District Lawyers Association by giving them shawl, coconut, certificate of honour, citation and memento.

Kamakhya temple doors opened after four days, Ambubachi Mahaparva formally concluded

Guwahati, Kamakhya temple, one of the major Shakti Peethas of India, located on the Nilachal Hills of Assam, reopened its doors on Thursday morning. Let us tell you, the doors of the temple have been opened after a four-day break. This occasion was not only the opening of the temple, but also symbolized the formal conclusion of Ambubachi Mahaparva - a festival dedicated to the menstruation of Goddess Kamakhya and the sanctity of womanhood. The doors of the sanctum sanctorum of the temple were opened for general devotees at 5:00 am. Earlier, at 3:19 pm, the formal announcement of Ambubachi's 'Nivritti' (i.e. the end of the monthly rest of the goddess) was made. The temple premises were purified with traditional rituals, the goddess was adorned with new clothes and jewellery, and only after this the sanctum sanctorum was opened for general devotees to have darshan of the goddess. Lakhs of devotees from all over the country were standing outside the temple premises since night. As soon as the temple opened, the whole atmosphere became devotional with chanting of mantras, ringing of bells, fragrance of incense and flowers. Devotees kept moving forward in queues to have darshan of the goddess. The Ambubachi Mela celebrated at the Kamakhya temple highlights an unconventional but deeply rooted aspect of Hindu tradition - it is the respect for the female body, fertility and menstruation. It is believed that Goddess Kamakhya menstruates during Ambubachi, and the temple is closed for four days during this period. This period symbolizes the rest of Mother Earth. There is no worship in the temple during these four days. Neither the sanctum sanctorum is opened, nor is there any distribution of prasad. The temple reopens only after purification rituals and devotees get to see the goddess. This year the Ambubachi festival began on the evening of June 22 and ended in the morning of June 26. With this, the reopening of the temple doors brought new life, energy and divinity once again.

Rajnath Singh refuses to sign the joint statement document at the SCO summit

New Delhi, Defense Minister Rajnath Singh refused to sign the joint statement at the Shanghai Cooperation Organization (SCO) Defense Ministers' meeting held in China on Thursday. In fact, Singh talked about many issues including Pahalgam and terrorism in the meeting, which Pakistan and China wanted to avoid. After the meeting, Singh had to sign the joint statement on terrorism, but this would have weakened India's stand on terrorism, so he did not sign. According to the report, the joint statement of the SCO Defence Ministers did not mention the Pahalgam terror attack, in which 26 innocent tourists were shot dead on April 22. Instead, the statement included the name of Pakistan's Balochistan, where Pakistan constantly accuses India of spreading unrest. It is being said that at the behest of Pakistan, its friendly country China, being the host country, has excluded the Pahalgam incident from the document. Singh had bilateral meetings with the defence ministers of China and Russia in the SCO meeting, while he did not have any talks with Pakistan. He did not even greet Khawaja Asif. India has already made it clear that talks with Pakistan will be held only on the issue of terrorism. The SCO, established in 2001, aims to promote regional stability through cooperation. It includes India, China, Belarus, Iran, Kazakhstan, Kyrgyzstan, Pakistan, Russia, Tajikistan, Uzbekistan. "At the SCO Defence Ministers' meeting in Qingdao, Rajnath Singh called for united global action against terrorism, radicalism and extremism, calling them a major threat to regional peace and trust. He urged the SCO countries to reject double standards and hold sponsors of terrorism accountable. He reaffirmed India's zero-tolerance policy, saying "hotbeds of terrorism are no longer safe," the Defence Ministry wrote on Twitter about Singh's visit. During his address, Singh also raised the issue of lack of peace, security and trust in the regions associated with the SCO organization. He said, the biggest challenges in our region are related to the lack of peace, security and trust. The root cause of these problems is the rise in radicalism, extremism and terrorism. Peace and prosperity cannot co-exist with terrorism and the spread of weapons of mass destruction. Decisive action is required to deal with these challenges.

Pilgrim bus fell into Alaknanda in Rudraprayag, 20 people were on board, 3 died, 9 missing

Rudraprayag, A terrible accident has happened in Uttarakhand. A bus has fallen into the Alaknanda river at Gholthir on the Badrinath National Highway. This accident has created a stir. The bus has drowned in the surging Alaknanda river. 19 pilgrims are said to be in this bus. There were a total of 20 people including the driver. There is news of the death of 3 passengers. According to eyewitnesses, during the bus accident, 10 people were thrown off and got stuck on the hill. 3 pilgrims have died. Search for the remaining 9 people is going on. Relief and rescue teams have reached the spot. The accident happened when a bus went out of control near Gholthir on the Badrinath National Highway and fell straight into the Alaknanda river. This vehicle was carrying pilgrims towards Badrinath Dham. During the accident, 10 passengers were thrown off on the hill and got injured, while other passengers fell into the river along with the bus. As soon as the information about the accident was received, the police force from Gholthir police station and the SDRF team from Rudraprayag reached the spot and started the rescue operation. The strong current of the river remains a challenge in the relief and rescue work. The rescue team is making continuous efforts. Local villagers have also cooperated in the relief and rescue work. There is an atmosphere of chaos in the area since the accident. According to the statement issued by Rudraprayag police, information was received at around 08:00 am today that a vehicle (bus number UK08 PA 7444) met with an accident near State Bank turn near Gholthir in Rudraprayag district and fell straight from the highway into the gorge and went into the Alaknanda river. The vehicle was going from Rudraprayag to Badrinath this morning. On receiving information about this accident, all the rescue teams including district police, fire brigade, SDRF reached the spot and local people also helped in the rescue work. Before the vehicle crashed and sank into the river, some people riding in this vehicle were thrown out. Those people were brought to the upper road by the rescue teams with the help of local people. These injured people were immediately sent to District Hospital Rudraprayag.

Jammu and Kashmir: Encounter in Udhampur, 4 terrorists trapped, bad weather became a hindrance in the operation

Jammu, An encounter broke out between security forces and terrorists this morning in Bhali area of Basantgarh in Udhampur district of Jammu and Kashmir. It is being told that four terrorists are trapped in the area. Security forces have cordoned off the area and are conducting a search operation but bad weather has become a big obstacle. At present, the encounter is going on. According to Inspector General of Police (IGP) of Jammu Zone, Bhim Sen Tuti, an encounter broke out between security forces and terrorists in the Bhali area of Basantgarh in Udhampur district at around 8:30 am. Firing took place from both sides. Information about this was given by the 16th Corps of the Indian Army. It was said, based on intelligence information, a joint operation was launched by the Indian Army and Jammu and Kashmir Police in the area of Basantgarh. When the security forces reached near the hideouts of the terrorists, they opened fire. The security forces also retaliated. Thus, an encounter started between the two. At present, the search operation is in progress. Additional security forces were deployed in view of the situation. To maintain tight security in this area, the area has been sealed so that the terrorists cannot escape under any circumstances. Since last year, the Basantgarh area has been on the target of terrorists. The terrorists were surrounded several times but they escaped taking advantage of the dense forest area. It is noteworthy that Basantgarh area is in Udhampur district and Udhampur city is the headquarters of the Northern Command. Meanwhile, IGP Jammu Zone Bhim Sen Tuti has said that according to his assessment, four terrorists are believed to be trapped in that area. The operation is being hampered due to bad weather. Let us tell you that this is the third encounter since the Pahalgam attack on April 22. Let us tell you that earlier on Tuesday, terrorist activity was seen in the forward area near the LoC in Rajouri district of Jammu and Kashmir. The alert security forces opened fire and then launched a search operation at more than a dozen places in Poonch, Samba and Kathua districts. The soldiers fired more than two dozen rounds. According to the report, suspicious activity was seen under the cover of dense trees.

2 female Naxalites killed in an encounter in Narayanpur, Chhattisgarh

Narayanpur, Two female Naxalites were killed in an encounter between security forces and Naxalites in Narayanpur, Chhattisgarh on Thursday morning. A large amount of Naxalite material including an INSAS rifle was recovered from the spot. According to the information received, the operation of the security forces is still going on in the area. It is expected that other Naxalites have also been killed in the encounter. Additional forces have been deployed in the area and the search operation has been intensified. Police said that after the firing subsided, when the area was searched, the bodies of two female Naxalites were recovered along with medicines, an INSAS rifle, a 315 rifle and Naxalite literature. Police say that Abujhmad is a difficult area, where the action taken by Maad Division is a big blow to the Naxalites. At present, an intensive operation is also going on in Kohkameta police station area. The search operation is in full swing in the entire area. Union Home Minister Amit Shah has promised to make India Naxal-free by March 2026, under this a big campaign is going on in Chhattisgarh, Jharkhand and its adjoining borders. More than 200 Naxalites have been killed since January this year. In Bijapur, from February to March, 28 to 31 Naxalites have been killed at a time. Many big bounty Maoist leaders have also been killed.

Naval Headquarters employee arrested on charges of spying for Pakistan

New Delhi, An employee of the Delhi-based Naval Headquarters has been arrested on charges of spying for Pakistan. The accused has been identified as Vishal Yadav. Yadav hails from Haryana and is posted as a clerk in the Dockyard Directorate at the headquarters. Yadav is accused of working for the Pakistani intelligence agency ISI for many years and has also given many secret information to Pakistan during Operation Sindoor. After months of surveillance, Rajasthan's intelligence police arrested him under the Official Secrets Act, 1923. A police officer said that Rajasthan's intelligence unit was keeping an eye on the spying activities of Pakistani intelligence agencies. During the investigation, it was found that Yadav had taken money by providing confidential information related to the Navy and other defense units to a woman. The woman was a Pakistani handler, with whom Yadav was in contact through social media. So far, investigation has revealed that the woman with whom Yadav was allegedly taking money by sharing strategic information is named Priya Sharma. Police say that Vishal Yadav plays online games, due to which he has lost a lot of money. To compensate for that, he was gathering money through spying. He was getting money through cryptocurrency trading accounts and directly through bank accounts. He is being questioned.

Iran was happy with India's stand, expressed gratitude

New Delhi, Iran has expressed gratitude to India for standing by it during the military attacks. Israel had attacked it while later the US also carried out heavy bombing on its nuclear facilities. The Iranian embassy said in a statement that it appreciates the genuine and invaluable support of those who stand by Tehran. However, it made no reference to the Indian government. The conflict between Iran and Israel escalated after the US bombed three Iranian nuclear sites on Sunday morning. US President Donald Trump on Tuesday announced a ceasefire between Iran and Israel. The ceasefire is seen coming into effect on Wednesday. In its response, New Delhi on Tuesday welcomed the ceasefire and said it was ready to play its role in resolving the situation. The Iranian embassy expressed its heartfelt gratitude to all the freedom-loving people of India who stand firmly and assertively with Iran. The freedom-loving people include political parties, members of parliament, non-governmental organizations, religious and spiritual leaders, university professors, members of the media, social activists and all individuals and institutions. The embassy said that messages of solidarity, support, public statements and active participation in peace-oriented celebrations when the Iranian people were under military attack were a source of deep encouragement. The Iranian people's steadfastness in the face of this aggression was not only a defense of their homeland and national dignity, but also a symbol of resistance against serious violations of the UN Charter, humanitarian principles and fundamental norms of international law. The embassy further said that the solidarity of nations with the people of Iran is not just a political stance, it is an affirmation of the universal values of justice, legitimacy and global peace. Iran has consistently stressed the need to uphold the principles of international law and oppose expansionist and aggressive policies. The embassy said, we strongly believe that the unity and solidarity of nations serves as a powerful defensive wall against war, violence and injustice.